RNI. NO. RAJHIN/2021/82156

डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -251 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, सोमवार 24 नवम्बर, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

बूथ स्तर के अधिकारियों की मौत के बाद कांग्रेस ने भाजपा और चुनाव आयोग को घेरा, राहुल बोले- यह नाकामी नहीं, षड़यंत्र है

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस ने रविवार को विभिन्न राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में लगे कुछ बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की मौत को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग पर हमला किया। पार्टी ने इसे जानबूझकर दमन और नागरिकों को परेशान करने की साजिश करार दिया। विपक्षी पार्टी ने कहा कि अतिरिक्त दबाव के कारण इन अधिकारियों की मौतों को सामान्य नुकसान मानकर नजरअंदाज किया जा रहा है। पार्टी के नेता राहुल गांधी ने कहा कि एसआईआर के नाम पर देश भर में अफरा-तफरी मचा रखी है- नतीजा? तीन हफ्तों में 16 बीएलओ की जान चली गई। दिल का दौरा, तनाव, आत्महत्या.. एसआईआर कोई सुधार नहीं, थोपा गया जुल्म है। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग ने ऐसी प्रणाली बनाई है, जिसमें नागरिकों को खुद को तलाशने के लिए 22 साल पुरानी मतदाता सूची में हजारों स्कैन पन्ने उलटने पड़े। मकसद साफ है- ही मतदाता थककर हार जाए और वोट चोरी बिना रोक-टोक जारी रहे। उन्होंने आगे कहा, भारत दुनिया के लिए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर बनाता है। मगर भारत का चुनाव आयोग

आज भी कागजों का जंगल खड़ा करने पर ही अड़ा है। अगर नीयत साफ होती तो सूची डिजिटल, सर्चेबल और मशीन-रीडेबल होती और चुनाव आयोग तीस दिन की हड़बड़ी में अंधाधुंध काम ठेलने के बजाय उचित समय लेकर पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान देता।कांग्रेस नेता ने कहा, एसआईआर एक सोची-समझी चाल है, जहां नागरिकों को परेशान किया जा रहा है और बीएलओ की अनावश्यक दबाव से मौतों को सामान्य नुकसान मानकर अनदेखा कर दिया गया है। यह नाकामी नहीं, षड़यंत्र है। सत्ता की रक्षा में लोकतंत्र की बलि है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी बीजेपी पर हमला किया और कहा कि भाजपा की वोट चोरी अब जानलेवा रूप ले चुकी है। काम के भार से बीएलओ और चुनाव अधिकारी आत्महत्या करने पर मजबूर है। मेरी हर एक परिवार, जिसने अपनों को खोया है, उनको गहरी संवेदनाएं। जमीनी हकीकत के मुताबिक ये संख्या रिपोर्ट से कहीं अधिक है, जो बेहद चिंताजनक है। इन परिवारों को न्याय कौन दिलाएगा? उन्होंने कहा, भाजपा चोरी की सत्ता की मलाई खाने में व्यस्त है और चुनाव आयोग मूकदर्शक बने तमाशा देख रहा है। हड़बड़ी में... बिना योजना के जबरन एसआईआर लागू करना नोटबंदी और कोरोना लॉकडाउन की याद दिलाता है।

एसआईआर एक सोची-समझी चालः राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि अगर नीयत साफ होती तो लिस्ट डिजिटल, सर्चेबल और मशीन-रीडेबल होती और ईसीआई 30 दिन की हड़बड़ी में अंधाधुंध काम ठेलने के बजाय उचित समय लेकर पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान देता। उन्होंने कहा कि एसआईआर एक सोची-समझी चाल है, जहां नागरिकों को परेशान किया जा रहा है और बीएलओ के अनावश्यक दबाव से मौतों को 'कॉलैटरल डैमेज' मान कर अनदेखा कर दिया। यह नाकामी नहीं, षड़यंत्र है और सत्ता की रक्षा में लोकतंत्र की बलि है।

भाजपा के लाखों लोग खुलेआम अलग-अलग राज्यों में घूम-घूमकर वोट डालते हैं

राहुल गांधी ने दावा करते हुए कहा कि भाजपा के लाखों लोग खुलेआम अलग-अलग राज्यों में घूम-घूमकर वोट डालते हैं और इस चोरी को छुपाने के लिए सारे सबूत मिटा दिए जाते हैं। भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर खुलेआम वोट चोरी कर रहे हैं। लोकतंत्र की हत्या लाइव चल रही है। इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग के खुद के आंकड़े बता रहे हैं कि 99.48 प्रतिशत फॉर्म बांट दिए गए हैं, लेकिन असल में कई लोगों को फॉर्म नहीं मिले। बस कंप्यूटर पर डाल दिया कि फॉर्म बांट दिए गए। ये काम बीजेपी के इशारे पर हो रहा है। अखिलेश ने भाजपा पर सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि मुद्दों में वे हार गए हैं। महंगाई बढ़ा दी, पेट्रोल-डीजल महंगा कर दिया, बिजली का बिल बढ़ा दिया, दवाइयां नहीं हैं, इलाज नहीं है, मेडिकल कॉलेज नहीं चल रहे, सड़कें टूटी हैं, एम्बुलेंस बेकार कर दी, पुलिस भ्रष्ट हो गई। अब जनता का ध्यान भटकाने के लिए एसआईआर में उलझाया जा रहा है।

अमेरिकी विरोध व विवादों के बीच जी-20 सम्मेलन समाप्त, भारत का दिखा दबदबा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका में पहली बार आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन रविवार को विवादों के बीच सम्पन्न हो गया। अमेरिका के बहिष्कार के कारण दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने समापन समारोह के मौके पर किसी अमेरिकी अधिकारी को गवेल (अध्यक्षता का प्रतीक हथौड़ा) नहीं सौंपा। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी, समूह के सदस्य देशों के नेताओं के साथ उनकी मुलाकात से लेकर सम्मेलन के एजेंडे तक में भारत का दबदबा पूरी तरह नजर आया। भारत वैश्विक दक्षिण की एक प्रमुख आवाज बनकर उभरा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका पर नस्लभेद का आरोप लगाते हुए सम्मेलन का बहिष्कार कर दिया था। वह सम्मेलन में शिरकत करने नहीं पहुंचे और जलवायु वित्त जैसे कई अहम मुद्दों पर अड़ंगा लगाकर घोषणापत्र जारी होने से रोकने की कोशिश भी की। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने सम्मेलन के शुरुआत में ही घोषणापत्र को सर्वसम्मति से पारित कराकर साफ कर दिया कि वह अमेरिका गैर-मौजूदगी से प्रभावित होने वाला नहीं है। यह सम्मेलन इस मामले में भी ऐतिहासिक रहा कि पहली बार किसी को अध्यक्षता का प्रतीक हथौड़ा (गैवल) नहीं सौंपा गया। सम्मेलन के समापन से पहले ही दक्षिण अफ्रीकी विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने साफ कर दिया कि कोई औपचारिक हैंडओवर सेरेमनी नहीं होगी। अमेरिका चाहे तो बाद में विदेश मंत्रालय के दफ्तर से जी-20 से जुड़े दस्तावेज ले सकता है। दरअसल, हर जी-20 शिखर सम्मेलन के मौके पर मेजबानी करने वाला देश अगले मेजबान देश को औपचारिक रूप से गैवल सौंपता है। इस समारोह के दौरान दोनों देशों के नेता आमने-सामने मौजूद रहते हैं। चूंकि राष्ट्रपति ट्रंप ने सम्मेलन का बहिष्कार किया था लेकिन बाद में उन्होंने एक राजदूत को भेजने की बात कही थी। अमेरिका ने उसके अधिकारी को गैवल न सौंपने पर नाराजगी जताई है। इस मुद्दे पर दक्षिण अफ्रीकी विदेश विभाग का कहना है कि यह कोई राजनयिक विवाद नहीं है। बल्कि सम्मान का सवाल है। किसी जूनियर अधिकारी को इसे नहीं सौंपा जा सकता था। अमेरिकी अड़चन से इतर यह सम्मेलन कई पहलुओं पर अपनाए गए दृष्टिकोण की वजह से न केवल प्रतीकात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण साबित हुआ बल्कि वैश्विक व्यवस्था में बदली तस्वीर भी दिखी। सिरिल रामाफोसा ने एकजुटता दिखाते हुए संदेश दिया कि अमेरिका की गैरमौजूदगी जी-20 की दिशा-दिशा और उद्देश्य को रोक नहीं सकती।

..हाईकमान ही तय करेगा', कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर बोले कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बंगलूरू

कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन की खबर पर देशभर में चर्चा हो रही है। राज्य में मुख्यमंत्री बदलने के सवाल पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने साफ कहा कि वह अभी कुछ नहीं कहना चाहते। जो भी फैसला होगा, हाईकमान ही करेगा। रविवार को अपने बंगलूरू आवास के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा, 'मैंने जो कहना था कह दिया। यहां खड़े रहकर आपका समय भी खराब हो रहा है और मुझे भी अच्छा नहीं लग रहा। जो भी है-हाईकमान करेगा। आपको ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।' उनका यह बयान ऐसे वक्त आया जब एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री सिद्धरमैया उनसे एक घंटे से ज्यादा समय तक मिले थे। 20 नवंबर को राज्य सरकार के ढाई साल पूरे होने के साथ ही यह सवाल जोर पकड़ रहा है, क्या कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन होगा? वहीं सीएम सिद्धरमैया कह चुके हैं कि हाईकमान जो भी तय करेगा, वह मानेंगे। वह इस चर्चा को मीडिया की अटकलबाजी भी बताते नजर आए हैं। कई कांग्रेस विधायकों के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के समर्थन में दिल्ली जाकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जु खरगे से मिलने के बाद राज्य में सियासी तापमान और बढ़ गया। वहीं रविवार को सिद्धारमैया के करीबी मंत्री, एचसी महादेवप्पा और के. वेंकटेश, ने भी खरगे से मुलाकात की। कहने को सब कुछ सामान्य है, पर पार्टी के भीतर दो धाराएं

साफ दिखती हैं। सीएम सिद्धारमैया चाहते हैं कि पहले कैबिनेट में फेरबदल हो। वहीं डीके शिवकुमार चाहते हैं कि पहले नेतृत्व परिवर्तन पर फैसला लिया जाए। वहीं पार्टी सूत्रों का कहना है कि अगर हाईकमान कैबिनेट विस्तार/फेरबदल की मंजूरी दे देता है, तो यह संकेत होगा कि सिद्धारमैया ही अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। ऐसा होने पर डीके शिवकुमार की सीएम बनने की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी। 2023 के विधानसभा परिणामों के बाद ही दोनों नेताओं के बीच सीएम पद को लेकर कड़ा मुकाबला था। आखिर में पार्टी ने समझौता करवाकर सिद्धारमैया को सीएम और डीके शिवकुमार को डिप्टी सीएम बनाया। उस समय यह भी चर्चा थी कि ढाई-ढाई साल का रोटेशन फॉर्मूला तय हुआ है, पर कांग्रेस ने इसे कभी आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं किया।

एनसीबी का दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर ड्रग कार्टेल पर बड़ा वारः अमित शाह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन 'क्रिस्टल फोर्टेस' के तहत मेगा ट्रांस-नेशनल मेथामफेटामाइन कार्टेल के भंडाफोड़ के लिए एनसीबी और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम को बधाई दी। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि हमारी सरकार बहुत तेजी से ड्रग कार्टेल को खत्म कर रही है। उन्होंने कहा कि ड्रग्स की जांच के लिए टॉप-टू-बॉटम और बॉटम-टू-टॉप अप्रोच को सख्ती से अपनाते हुए, नई दिल्ली में 262 करोड़ रुपए कीमत का 328 किलो मेथामफेटामाइन की जब्ती और दो लोगों की गिरफ्तारी से एक बड़ी कामयाबी मिली। शाह ने कहा कि यह ऑपरेशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशामुक्त भारत के विजन की दिशा में कई एजेंसियों के बीच सीमलैस तालमेल का एक शानदार उदाहरण था। एनसीबी और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम को बधाई। एक बड़ी कामयाबी में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (ओपीएस ब्रांच) ने स्पेशल सेल (सीआई) दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर 20 नवंबर को ऑपरेशन क्रिस्टल फोर्टेस के तहत छतरपुर, दिल्ली के एक घर से करीब 328 किलोग्राम हाई-क्वालिटी मेथामफेटामाइन जब्त कर एक ट्रांस-नेशनल ट्रैफिकिंग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। ऑपरेशन क्रिस्टल फोर्टेस

एक समन्वित और इंटेलिजेंस-ड्रिवन अभियान था जो सिंथेटिक ड्रग की अधिक मात्रा वाले नेटवर्क को टारगेट कर रहा था। यह अहम कार्रवाई पिछले कुछ महीनों से खुफिया जानकारी और तकनीकी इंटरसेप्ट्स के आधार पर लगातार की जा रही जांच का नतीजा है, जिससे एक ट्रैफिकिंग चेन का पता चला और यह बड़ी कामयाबी मिली। पकड़े गए दो लोगों, जिनमें नागालैंड की एक महिला भी शामिल है और जिसके घर से बड़ी मात्रा में जब्ती की गई थी, को नागालैंड पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अलावा, दूसरे लोगों की पहचान भी हो गई है। इनमें विदेश से काम करने वाला गिरोह का सरगना भी शामिल है। वह पिछले साल दिल्ली में एनसीबी द्वारा 82.5 किलोग्राम हाई-ग्रेड कोकीन जब्ती के मामले में भी वांछित है।

भारत के 53 वें सीजेआई की शपथ लेंगे जस्टिस सूर्यकांत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत सोमवार को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ लेंगे। जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 व 38ए समाप्त करने, बिहार के चुनावी मतदाता सूची संशोधन (एसआइआर) और पेगासस स्पाइवेयर मामले पर कई ऐतिहासिक फैसलों और आदेशों में भाग ले चुके जस्टिस सूर्यकांत अब चीफ जस्टिस बीआर गवई का स्थान लेंगे जो रविवार शाम को सेवानिवृत्त हो गए हैं। जस्टिस सूर्यकांत को 30 अक्टूबर को अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में नामित किया गया था और वे लगभग 15 महीनों तक इस पद पर रहेंगे। वे 9 फरवरी, 2027 को 65 वर्ष की आयु में पद से विदाई देंगे। जस्टिस सूर्यकांत हाल ही में राष्ट्रपति द्वारा विधानसभा में पारित विधेयकों से संबंधित राज्यपाल और राष्ट्रपति के अधिकारों पर की गई संदर्भ याचिका का हिस्सा रहे हैं। राजद्रोह कानून को निलंबित रखने वाली पीठ का हिस्सा रहे जस्टिस सूर्यकांत ने निर्देश दिया था कि इस पर कोई नई एफआइआर दर्ज नहीं की जाए जब तक कि सरकार इसकी समीक्षा न करे। जस्टिस कांत ने बिहार में चुनावी रोल के मसौदे से 65 लाख मतदाताओं को बाहर करने के चुनाव आयोग के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई करते हुए आयोग को इन मतदाताओं के विवरण को उजागर करने के लिए भी प्रेरित किया। जस्टिस सूर्यकांत वाली पीठ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2022 में पंजाब यात्रा के दौरान सुरक्षा उल्लंघन की जांच के लिए शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश इंदु मल्होत्रा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया। उन्होंने रक्षा बलों के लिए एक रैंक-एक पेंशन योजना को संविधान के अनुसार मान्य ठहराया और स्थायी कमीशन में समानता की मांग करने वाली महिला अधिकारियों की याचिकाओं की सुनवाई जारी रखी। जस्टिस सूर्यकांत उस सात जजों की पीठ में थे जिसने 1967 के अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के निर्णय को पलटा, जिससे संस्थान की अल्पसंख्यक स्थिति पर पुनर्विचार का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने पेगासस स्पाइवेयर मामले की सुनवाई की और अवैध निगरानी के आरोपों की जांच के लिए साइबर विशेषज्ञों की समिति का गठन किया। 10 फरवरी, 1962 को हरियाणा के हिसार में एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे जस्टिस सूर्यकांत ने एक छोटे शहर के वकील से देश के सर्वोच्च न्यायिक पद तक का सफर तय किया है

एसआईआर के डर से बांग्लादेशी प्रवासियों में भगदड़, दो हफ्तों में करीब 26,000 लोग हो गए गायब

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश सीमा पर इन दिनों असामान्य हलचल है। एनआरसी और नागरिकता सत्यापन प्रक्रियाओं के बाद अब एसआईआर की संभावित कार्रवाई की चर्चा के बीच बड़ी संख्या में बांग्लादेशी अवैध प्रवासी राज्य छोड़कर वापस बांग्लादेश की ओर लौट रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस के अनुसार पिछले दो सप्ताह में हजारों लोग सीमा पार कर चुके हैं, जबकि कई गांवों में घर और झुग्गियां लगभग खाली हो गई हैं। हकीमपुर पोस्ट, चपईनवाबगंज, मालदा, मूर्शिदाबाद, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना के सीमा क्षेत्रों में सबसे अधिक गतिविधि देखी गई है।बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार केवल मालदा सेक्टर में ही लगभग 8,000 से 9,000 लोगों के सीमा पार करने का अनुमान है।

स्थानीय प्रशासन का कहना है कि कुल मिलाकर 26,000 के आसपास लोग पिछले दो हफ्तों में पश्चिम बंगाल से गायब हुए हैं, जिनमें से अधिकांश बांग्लादेश में प्रवेश कर चुके हैं। एक बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि न कोई औपचारिक डिपोर्टेशन आदेश जारी हुआ है और न ही बड़े पैमाने पर पुलिस की कार्रवाई। लेकिन एसआईआर की चर्चा फैलते ही ये प्रवासी खुद ही सीमा पार कर रहे हैं। मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तर 24 परगना के सीमावर्ती स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति अचानक घट गई है। कुछ स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि पुराने ग्राहक अचानक गायब हो गए। सीमा के आसपास के शहरों और कस्बों में काम करने वाले मजदूर अचानक घट गए हैं। पश्चिम बंगाल के सीमा-इलाकों से पकड़ में आए या लौटते हुए कई प्रवासियों ने स्थानीय मीडिया से बातचीत में कहा कि पहचान-पत्र नहीं है, कागज नहीं है।अगर एसआईआर शुरू हुआ तो हम बच नहीं पाएंगे, इसलिए हम लौट रहे हैं।

कुछ ने कहा हमारे पास नकली कागज है और वह पकड़ में आ जाएंगे। सोशल मीडिया और अवैध प्रवासियों के व्हाट्सएप ग्रुप में भी यह संदेश तेजी से फैलाए जा रहे हैं कि एसआईआर में सब अवैध प्रवासी पकड़े जाएंगे। रजिस्ट्रेशन नहीं होने, दस्तावेज न होने या पहचान-पत्र में असंगति होने पर डिटेंशन कैंप भेजे जाने का डर भी बताया गया है।

दुश्मन पनडुब्बियों का काल बनेगा ये युद्धपोत, नौसेना में आज शामिल होगा स्वदेशी तकनीक से बना 'माहे'

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

देश की रक्षा की तैयारियों के मामले में नौसेना आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से एक और कदम बढ़ाने जा रही है। 80 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री से तैयार पनडुब्बियों के दुश्मन युद्धपोत 'माहे' को सोमवार को नौसेना में शामिल किया जाएगा। माहे श्रेणी का ये पहला अत्याधुनिक युद्धपोत है, जो नौसेना में शामिल होने जा रहा है। ऐसे आठ युद्धपोत और तैयार करने की योजना है। माहे श्रेणी के 'एंटी सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट' की कमीशनिंग समारोह मुंबई स्थित नेवल डाकयार्ड में आयोजित होगा, जिसकी मेजबानी वेस्टर्न नेवल कमांड के फ्लैग अफसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन करेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी करेंगे।

फिर बेनकाब हुआ पाक

अब फ्रांस की नौसेना ने खोली पोल, कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल गिराने के दावे मनगढ़ंत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पेरिस/नई दिल्ली

फ्रांसीसी नौसेना ने रविवार को पाकिस्तान मीडिया की सख्त आलोचना की और उस पर 'भ्रामक जानकारी और झूठी खबरें' फैलाने का आरोप लगाया। दरअसल, भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पाकिस्तान के एक मीडिया आउटलेट की ओर से रिपोर्ट प्रकाशित की गई थी। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एक फ्रांसीसी अधिकारी ने पाकिस्तान की हवाई श्रेष्ठता की पुष्टि की और मई में सीमा पर हुए टकराव में भारतीय राफेल लड़ाकू विमानों को गिराए जाने की बात कही। 'मरीन नेशनल' ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि रिपोर्ट में टिप्पणी गढ़ी गई थीं और अधिकारी की

पहचान भी गलत तरीके से की गई थी। बयान में कहा गया, फेक न्यूज- इन बयानों को कैप्टन लौने से जोड़ दिया गया है, जिन्होंने किसी भी तरह के प्रकाशन की सहमति नहीं दी। यह लेख व्यापक भ्रामक जानकारी और झूठी खबरें फैलाता है। पाकिस्तान के जिओ टीवी की 21 नवंबर की रिपोर्ट में जैक्स लौने को कथित तौर पर पाकिस्तान की वायु सेना की तारीफ करते दिखाया और यह दावा किया कि भारतीय राफेल विमानों को चीन के समर्थन से गिराया गया। फ्रांसीसी नौसेना ने कहा कि अधिकारी का असली नाम कैप्टन इवान लौने है और उन्होंने वास्तव में कोई भी टिप्पणी नहीं की थी। नौसेना ने स्पष्ट किया कि नाम का पहला शब्द इवान है, जैक्स नहीं। रिपोर्ट के अनुसार उनकी जिम्मेदारियों केवल उस नौसैनिक हवाई अड्डे का नेतृत्व करना है, जहां फ्रांसीसी राफेल समुद्री विमान तैनात हैं। बयान के मुताबिक, इवान लौने ने हिंद-प्रशांत सम्मेलन में तकनीकी प्रस्तुति (प्रेजेंटेशन) दी और राफेल लड़ाकू विमा के मिशन, अपने नौसैनिक हवाई अड्डे के संसाधनों और फ्रांसीसी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की जानकारी साझा की। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कथित तौर पर भारतीय विमानों के गिरने या चीनी प्रणालियों द्वारा राफेल लड़ाकू विमान को बाधित करने पर कोई टिप्पणी नहीं की। फ्रांसीसी नौसेना ने दोहराया कि ऐसी कोई टिप्पणियां नहीं की गईं जो पाकिस्तानी आउटलेट द्वारा प्रकाशित दावे के अनुरूप हों, जिसमें कहा गया था कि लौने ने राफेल के प्रदर्शन संबंधी मुद्दों को ऑपरेशनल खामियों की जानकारी दी और इसकी चीनी जे-10सी से तुलना की। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मलवीय ने फ्रांसीसी नौसेना की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए जिओ टीवी की रिपोर्ट को 'पुराने, गढ़े हुए दावे' करार दिया और रिपोर्टर हामिद मीर पर तंज कसा। उन्होंने एक्स पर लिखा, फ्रांसीसी नौसेना ने पाकिस्तान के जिओ टीवी और उसके संवाददाता हामिद मीर को भ्रामक जानकारी फैलाने के लिए सार्वजनिक रूप से लताड़ा। उनकी रिपोर्ट में राफेल और मई संघर्ष के पुराने, गढ़े हुए दावे फिर से पेश किए गए और अब यह सार्वजनिक रूप से उजागर हो गया है।

यादव सभा शहर अलवर का चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न, नरेंद्र कुमार यादव बड़ी जीत के साथ विजयी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

यादव सभा शहर अलवर का चुनाव रविवार को श्री कृष्णा छात्रावास में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। मुख्य चुनाव अधिकारी मुनीराम यादव व महेंद्र सिंह यादव की निगरानी में आयोजित मतदान प्रक्रिया सुव्यवस्थित और शांत माहौल में हुई। चुनाव में कुल पांच प्रत्याशियों ने भाग लिया, जिनमें मतदाता बड़ी संख्या में मतदान करने पहुंचे। मतगणना के अनुसार इंजीनियर बीएल यादव को 5 मत, डॉ. विजयपाल यादव को 13 मत, रणजीत यादव को 3 मत और राहुल यादव को 366 मत प्राप्त हुए। वहीं नरेंद्र कुमार यादव ने 857 मत हासिल कर 491 मतों के अंतर से विजय दर्ज की। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में उत्साह का माहौल रहा। मुख्य चुनाव अधिकारियों ने बताया कि मतदान से लेकर मतगणना तक पूरी प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के सम्पन्न हुई। उन्होंने सभी मतदाताओं व प्रतिभागियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की सीएचसी लक्ष्मणगढ़ से शुरुआत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार सुबह सीएचसी लक्ष्मणगढ़ से खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रूपेंद्र शर्मा ने किया। अभियान में जन्म से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जा रही है। डॉ. शर्मा ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नजदीकी बूथ पर अवश्य लाएं और दो बूंद दवा दिलाकर उन्हें सुरक्षित करें। नर्सिंग ऑफिसर आरिफ खान ने कहा कि पोलियो एक खतरनाक वायरस है और सिर्फ दो बूंद दवा बच्चे को जीवनभर के लिए बचा सकती है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें आंगनवाड़ी, पीएचसी, सीएचसी और मोबाइल यूनिट्स के माध्यम से प्रत्येक बच्चे तक दवा पहुंचाने में लगी हुई हैं। अभियान के पहले दिन बूथों पर अभिभावकों की अच्छी उपस्थिति दर्ज की गई।

अलवर में दर्दनाक हादसा: पिकअप की टक्कर से 14 साल के बच्चे की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में शनिवार देर शाम दिल दहला देने वाली घटना हुई, जहां 14 वर्षीय चिराग को तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद चिराग करीब एक घंटे तक सड़क पर तड़पता रहा, लेकिन किसी ने उसे अस्पताल नहीं पहुंचाया। यह घटना चिंमरावली मोड़ के पास हुई। परिजन हुकम सिंह ने बताया कि चिराग बरखेड़ा गांव से बस में उतरकर अपनी बुआ के घर बंध का बास पैदल जा रहा था, तभी पिकअप ने उसे उड़ा दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा और वहीं दम तोड़ दिया। चिराग की जिंदगी पहले ही दुखों से भरी थी। आठ साल पहले उसकी मां की मौत हो चुकी थी और उसके पिता महेश चंद सैनी एक झगड़े के मामले में जेल में बंद हैं। वह अपनी दादी और बहन के साथ रहता था। हादसे के बाद पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और पिकअप चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

गोशाला के नाम पर सरकारी भूमि पर कब्जे का प्रयास, नोटिस जारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

ग्राम पंचायत सौंखर में गोशाला के नाम पर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। आरोप है कि राधाकिशन गौ सेवा समिति द्वारा लगभग एक वर्ष से बिना अनुमति सरकारी जमीन पर गोवंश रखा जा रहा है और कचरा संग्रहण भवन सहित अन्य सरकारी परिसरों में चारा भरा हुआ है। इससे कृषि पर्यवेक्षक कार्यालय और पशु उप स्वास्थ्य केंद्र का कार्य बाधित हो रहा है। पंचायत सचिव हितेश शर्मा ने बताया कि इस संबंध में दो बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं और अब अंतिम नोटिस जारी करने की तैयारी है। उनका कहना है कि पंचायत की ओर से इस भूमि के उपयोग की कोई अनुमति नहीं दी गई है। दूसरी ओर, गोशाला संचालक का दावा है कि उन्हें सरपंच द्वारा अनुमति दी गई थी, जबकि सरपंच भजन खींची ने स्पष्ट किया कि केवल कुछ समय के लिए मौखिक सहमति दी गई थी, जो अब समाप्त हो चुकी है। कचरा संग्रहण भवन का ताला खोलने का दबाव भी पंचायत पर बनाया जा रहा है। फिलहाल पंचायत प्रशासन अंतिम नोटिस के बाद विधि सम्मत कार्रवाई करने की तैयारी में है।

अलवर में बढ़ता अपराध नियंत्रण से बाहर: तीन मकानों के ताले टूटे, लाखों की चोरी, पुलिस सिर्फ आश्वासन तक सीमित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर में चोरी की घटनाओं पर लगाम कसने में पुलिस पूरी तरह नाकाम साबित होती दिख रही है। एनईबी थाना क्षेत्र और शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र में तीन अलग-अलग घरों के ताले टूटे और चोर लाखों रुपए के जेवरात व नकदी लेकर आसानी से चोर फरार हो गए। लेक्चरर, सरकारी वकील और स्टील व्यापारी—तीनों के घरों में हुई वारदातों ने साफ कर दिया है कि शहर में अपराधियों के हौसले पुलिस की ढीली कार्रवाई के कारण लगातार बढ़ते जा रहे हैं। स्थानीय लोग रोज नई चोरी की खबरें सुन-सुनकर दहशत में हैं, जबकि पुलिस अभी तक एक भी आरोपी को पकड़ नहीं पाई है। पहला मामला रामनगर स्थित लेक्चरर कपिल सैनी के घर का है, जहां गुरुवार रात चोरों ने बेहद सहजता से वारदात अंजाम दी। CCTV फुटेज में साफ दिख रहा है कि तीन चोर बिना किसी डर के बाइक से गली में आते हैं, बाइक खड़ी करते हैं और मकान की साइड की दीवार फांदकर अंदर चले जाते हैं। चोरों ने कमरे के ताले तोड़े, अलमारी में रखे सोने-चांदी के गहने और नकदी चुरा ली। कपिल की बहन संगीता के अनुसार परिवार के सभी सदस्यों के मोबाइल पर कैमरा लाइव चल रहा था, पर रात 12 बजे बाद किसी ने फुटेज नहीं देखा और उसी समय चोरी हो गई। घर से करीब तीन लाख रुपए के जेवर और पचास हजार रुपए नकद गायब हो गया। इतनी बड़ी वारदात के बाद भी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर केवल औपचारिकता निभाई और केस दर्ज कर दिया, लेकिन कार्रवाई ठोस रूप से अब तक शून्य है। दूसरी वारदात शिव नगर में स्टील व्यापारी अनीश कुमार के घर पर हुई। वे परिवार सहित भरतपुर शादी में गए थे और घर खाली था। चोरों को यह जानकारी कैसे मिली—यह सवाल भी स्थानीय लोगों के मन में बड़े रूप में खड़ा है, लेकिन पुलिस इससे बेपरवाह दिख रही है। अनीश रात में CCTV फुटेज देख रहे थे, लेकिन रात 12 बजे अचानक कैमरा बंद हो गया। उन्हें लगा बिजली गई होगी, लेकिन सुबह जब वे घर लौटे तो उनके होश उड़ गए। कमरे के ताले टूटे हुए थे, अलमारी खुली हुई थी और चोर करीब तीन तोला सोना, चांदी के गहने और डेढ़ लाख रुपए नकद लेकर फरार हो चुके थे। इतना ही नहीं, चोर CCTV की चिप भी निकालकर ले गए ताकि किसी तरह का सबूत पीछे न छूटे। दो बैग, जिनमें घर के कागजात थे, चोर साथ ले गए। बाद में वे बैग पास के खाली प्लॉट में पड़े मिले, लेकिन बाकी सामान पूरी तरह से चोरी हो चुका था। इस मामले में भी पुलिस की भूमिका केवल औपचारिक रिपोर्ट दर्ज करने तक ही सीमित रही। तीसरा मामला सरकारी वकील विनोद कुमार शर्मा के घर का है, जिनके घर शनिवार रात चोरी हुई। वे अपने परिवार के साथ शादी में गए थे और रात 11 बजे लौटे तो देखा कि घर के अंदर ताले टूटे पड़े हैं। अलमारी से सोने की नथ, 12 चांदी के सिक्के और करीब 92 हजार रुपए नकद गायब थे। चोरी के बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची जरूर, लेकिन अगले दिन FIR दर्ज करने के अलावा कोई ठोस कदम अब तक सामने नहीं आया। सरकारी वकील के घर में हुई चोरी ने पुलिस की गंभीरता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन तीन बड़ी चोरी की घटनाओं के बाद भी पुलिस का रवैया बेहद लापरवाह दिखाई दे रहा है। रामनगर के स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले पांच दिनों में इसी क्षेत्र में चार से ज्यादा चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। लोग शिकायतें लेकर थाने जाते हैं, लेकिन पुलिस हर बार केवल आश्वासन देकर उन्हें घर भेज देती है। न गश्त बढ़ाई गई है, न ही संदिग्धों की पूछताछ, न ही किसी गिरोह के सक्रिय होने की जांच। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस केवल रिपोर्ट लिखने तक ही सीमित है और कार्रवाई का नाम तक नहीं ले रही। इन लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने अलवर शहर की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। आमजन में आक्रोश है कि जब चोर एक के बाद एक घरों को निशाना बना रहे हैं, तो पुलिस आखिर कर क्या रही है? चोरी के फुटेज होने के बावजूद चोर गिरफ्त से बाहर हैं, जो पुलिस की विफलता को और उजागर करता है। तीनों मामलों में चोर जिस तरीके से वारदात को अंजाम देकर आसानी से फरार हुए, उससे यह साफ है कि बदमाशों को पुलिस का कोई डर नहीं रहा। लगातार बढ़ती चोरी की वारदातों से क्षेत्र के लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यदि पुलिस ने समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की, तो आने वाले दिनों में अपराधों का ग्राफ और भी तेजी से बढ़ सकता है। फिलहाल लोग यही सवाल पूछ रहे हैं—क्या पुलिस सिर्फ रिपोर्ट लिखने के लिए है, या सच में अपराध रोकने के लिए भी कुछ करेगी?

एसीईओ ने अलवर शहर विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर एसआईआर कार्य की समीक्षा की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

निर्वाचन विभाग जयपुर के सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार मीणा ने शनिवार को अलवर शहर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की प्रगति परख की। उन्होंने मतदाता सूची के अद्यतन कार्य को निष्पक्ष, त्रुटिरहित और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ईएफ की एंट्री, पावती वितरण, बीएलओ एप 'बुक ए कॉल' की स्थिति और एसआईआर की गति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा अपात्र नाम सूची में न हों। उन्होंने उल्लेखनीय कार्य करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहित करने और एसआईआर की गति और बढ़ाने के निर्देश भी दिए। एसीईओ मीणा ने कहा कि जिले में ईएफ वितरण और डिजिटाइजेशन का कार्य संतोषजनक है, लेकिन बुक ए कॉल एप पर प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निस्तारण किया जाना आवश्यक है। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश कायथवाल, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी माधव भारद्वाज, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सोहन सिंह नरूका सहित संबंधित अधिकारी और बीएलओ मौजूद रहे।

चार दिवसीय मत्स्य उत्सव का भगवान जगन्नाथ जी की महाआरती के साथ हुआ आगाज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिला प्रशासन व पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित चार दिवसीय मत्स्य उत्सव का शुभारंभ शनिवार सुबह भगवान जगन्नाथ जी मंदिर में महाआरती के साथ हुआ। जिलेभर से आए लोगों ने आरती में भाग लेकर उत्सव की परंपरा की शुरुआत को विशेष बना दिया। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने सभी जिलेवासियों से उत्सव के कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर इसे यादगार बनाने की अपील की। उत्सव की शुरुआत अतुल्य अलवर अभियान के तहत निकाली गई विशाल साइकिल रैली से हुई, जिसे जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने नेहरू उद्यान से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में बड़ी संख्या में युवाओं, अधिकारियों और नागरिकों ने भाग लिया तथा स्वच्छ व ग्रीन अलवर का संदेश दिया। रैली विभिन्न मुख्य मार्गों से गुजरते हुए नगर वन कटी घाटी तक पहुंची। पुलिस अधीक्षक ने भी साइकिल चलाकर सहभागिता निभाई। जिला कलक्टर ने प्रतिभागियों को स्वच्छता शपथ दिलाई और कहा कि स्वच्छ व सुंदर अलवर बनाने की जिम्मेदारी सभी की है। इसी उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें लोगों ने स्वच्छता के प्रति संकल्प जताया। उत्सव के दूसरे दिन 24 नवम्बर को मेंहदी, रंगोली व पेंटिंग प्रतियोगिता, भर्तृहरि नाटक और शाम को पुरजन विहार में लोकरंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य मुख्य आकर्षण रहेंगे।

अलवर में ज्वेलरी शॉप लूट के विरोध में व्यापारियों का उबाल, 24 नवंबर को बंद और पैदल मार्च का ऐलान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर में टेल्को चौराहे के पास राधा ज्वेलर्स पर करीब 37 लाख रुपए की लूट की वारदात ने शहर के व्यापारियों में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। इसी मुद्दे को लेकर रविवार को अग्रवाल धर्मशाला में सराफा व्यापार संघ, स्वर्णकार समाज और संयुक्त व्यापार महासंघ सहित कई व्यापारिक संगठनों की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में व्यापारियों ने पुलिस की सुस्ती पर नाराजगी जताते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और माल बरामदगी की मांग की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सोमवार, 24 नवंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सभी सराफा और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। व्यापारी सुबह 10 बजे भवानी तोप पर एकत्र होकर मिनी सचिवालय तक पैदल मार्च निकालेंगे और जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपेंगे। व्यापारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि समय पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और बड़ा रूप दिया जाएगा। बैठक में कई व्यापारियों ने कहा कि शहर में कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। दिनदहाड़े व्यापारी और दुकानें अपराधियों के निशाने पर हैं जबकि पुलिस केवल हेलमेट, बेल्ट और कागज़ात की जांच तक सीमित रह गई है। व्यापारियों का आरोप है कि नाकाबंदी जैसी मूलभूत व्यवस्था भी शहर में प्रभावी नहीं है, जिसके कारण बदमाश बेखौफ घूम रहे हैं और घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। संयुक्त व्यापार महासंघ के अध्यक्ष हरमीत सिंह मेहंदीरत्ता ने कहा कि यह घटना कोई साधारण चोरी नहीं बल्कि साफ तौर पर बड़ी डकैती है। पुलिस की छह टीमें मामले की जांच में लगी हैं, पर अभी तक किसी सुराग का मिलना दूर की बात है। व्यापारियों ने कहा कि जब तक माल बरामद नहीं होगा, तब तक पुलिस की कार्रवाई अधूरी मानी जाएगी। ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक गर्ग ने बताया कि शहर के व्यापारी खुद को लगातार असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पिछले कुछ महीने से वारदातें बढ़ रही हैं और पुलिस का रवैया लापरवाही भरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि व्यवसाय करने वाले लोग हर समय भय के माहौल में हैं और यदि पुलिस की स्थिति यही रही तो व्यापार प्रभावित होना तय है। शनिवार को हुई इस वारदात में तीन हथियारबंद बदमाश दुकान में घुसे और करीब 37 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवर और नगदी लेकर मौके से फरार हो गए। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस आसपास के इलाकों की फुटेज खंगालने के साथ संभावित रूट पर नाकाबंदी बढ़ाने का दावा कर रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस सफलता हाथ नहीं लगी है। व्यापारियों का कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी और सम्पूर्ण माल बरामद नहीं होगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

विधायक सुखवंत सिंह का एक वर्ष का कार्यकाल पूरा, मस्ताबाद गौशाला में सवा मणि कर मनाया उत्सव

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रामगढ़

रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव के बाद विधायक बने सुखवंत सिंह के एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर रविवार को मस्ताबाद स्थित सनातन गौशाला में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर विधायक का स्वागत किया। गौशाला में पहुंचे विधायक ने गायों को गुड़ खिलाया और हरा चारा सवा मणि अर्पित किया। सुबह से ही गौशाला परिसर में कार्यकर्ताओं का जुटान शुरू हो गया था। सभी ने फूलमालाओं से विधायक का स्वागत कर उनके एक वर्ष के कार्यकाल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान मंच से संबोधित करते हुए विधायक सुखवंत सिंह ने कहा कि जनता का विश्वास और सहयोग ही उनकी वास्तविक शक्ति है। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में कई कार्य हुए हैं।विधायक ने कहा कि आने वाले समय में विकास कार्यों को और गति दी जाएगी, ताकि क्षेत्र की समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह पाटा, जिला पार्षद गगनदीप सिंह, मंडल अध्यक्ष भगवान सैनी, एडवोकेट राजकुमार यादव, एडवोकेट लाखन दत्त शर्मा, बाबूलाल जागिड़, शैलेन्द्र चौधरी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रामगढ़ में 40 साल से बस स्टैंड का अभाव, यात्री सड़क किनारे इंतजार को मजबूर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रामगढ़

रामगढ़ कस्बे में बस स्टैंड न होने की समस्या अब गंभीर रूप ले चुकी है। अलवर-दिल्ली हाईवे पर जलदाय विभाग कार्यालय के बाहर ही रोडवेज और निजी बसें रुकती हैं, जिससे यात्री सड़क किनारे असुरक्षित तरीके से घंटों तक बस का इंतजार करते हैं। यहाँ न छाया की व्यवस्था है, न बैठने की जगह और न ही कोई शेड। यात्री खुले आसमान के नीचे धूप, बारिश और ठंड में खड़े रहने को विवश हैं। रविवार दोपहर दिल्ली निवासी मनोज अपने परिवार के साथ रामगढ़ पहुंचे तो उन्हें करीब दो घंटे सड़क पर खड़े रहकर बस का इंतजार करना पड़ा। उन्होंने बताया कि नगरपालिका बनने और अस्पताल को उपजिला अस्पताल का दर्जा मिलने के बावजूद बस स्टैंड की व्यवस्था 40 वर्षों से वैसी ही बनी हुई है। न बैठने की सुविधा, न शौचालय और न ही सूचना बोर्ड—यात्रियों के लिए कोई भी बुनियादी सुविधा मौजूद नहीं है। स्थानीय लोगों के अनुसार बस स्टैंड की मांग कई वर्षों से लंबित है। पिछली सरकारों और पूर्व विधायकों के सामने यह मुद्दा कई बार उठाया गया, लेकिन हर बार मामला फाइलों में ही दब गया। हाईवे पर बढ़ते ट्रैफिक और यात्रियों की बढ़ती संख्या के बीच बस स्टैंड का अभाव अब एक बड़ा सुरक्षा खतरा बन चुका है। कई बार बस रुकने के दौरान दुर्घटना जैसी स्थितियां भी बन जाती हैं। कस्बेवासी अब नई भाजपा सरकार और क्षेत्रीय विधायक सुखवंत सिंह से उम्मीद लगाए बैठे हैं। लोगों का कहना है कि विधायक क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दे रहे हैं, इसलिए उम्मीद है कि रामगढ़ को जल्द ही आधुनिक बस स्टैंड की सौगात मिलेगी। ग्रामीणों ने मांग की है कि बस स्टैंड में यात्री शेड, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय और बसों की समय सारिणी जैसी सुविधाएं तत्काल विकसित की जाएं। चार दशक से लंबित यह सपना अब पूरा हो सके, ऐसी उम्मीद कस्बेवासियों की है। बस स्टैंड बनने से न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि रामगढ़ के विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

टपूकड़ा बनी नई पंचायत समितिः 29 ग्राम पंचायतें शामिल, लंबित मांग पूरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा

राजस्थान सरकार ने खैरथल-तिजारा जिले में टपूकड़ा को नई पंचायत समिति का दर्जा दे दिया है। तिजारा पंचायत समिति से अलग कर बनाई गई इस नई इकाई में कुल 29 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। इनमें रभाना, चूहड़पुर, मसीत, कमालपुर, थडा, झीवाणा, मायापुर, महेशरा, ग्वालदा, मिलकपुर तुर्क, निंबाहेड़ी, सारे कलां, चौपानकी, बुबकाहेड़ा, बनवीरपुर, कारोली, धोली पहाड़ी, खेड़ी आदि प्रमुख हैं।यह फैसला 21 नवंबर को जारी अधिसूचना के तहत लिया गया है। सरकार ने पंचायत समिति के लिए न्यूनतम 40 ग्राम पंचायतों के मानक को घटाकर 25 कर दिया था, जिसके बाद टपूकड़ा को अलग समिति बनाने का रास्ता साफ हुआ। क्षेत्र के करीब डेढ़ लाख लोगों को अब स्थानीय स्तर पर ही विकास कार्यों की स्वीकृति और समस्याओं के समाधान की सुविधा मिलेगी।टपूकड़ा और आसपास के गांवों में खुशी का माहौल है। लोगों ने मिठाइयाँ बाँटकर जश्न मनाया और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर तथा तिजारा विधायक महंत बाबा बालकनाथ को धन्यवाद दिया। ग्रामीणों का कहना है कि विधायक महंत बाबा बालकनाथ ने विधानसभा में बार-बार यह मुद्दा उठाया था, जिसके कारण आज यह मांग पूरी हो सकी।स्थानीय निवासी राम सिंह ने कहा, 'पहले तिजारा जाना पड़ता था, अब हमारे घर के पास ही पंचायत समिति होगी। सड़क, पानी, बिजली की शिकायतें जल्दी सुनी जाएंगी।' महिलाओं ने भी इसे ग्रामीण विकास में बड़ा कदम बताया।प्रशासन का कहना है कि नई समिति के गठन से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलेगी और पंचायती राज व्यवस्था और मजबूत होगी। जल्द ही नई समिति के लिए चुनाव कराए जाने की भी तैयारी है।

भिवाड़ी में पल्स पोलियो अभियान-2025 शुरूः 0 से 5 साल तक के बच्चों को पिलाई जाएगी खुराक, 23-25 नवंबर तक चलेगा कार्यक्रम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी सहित पूरे खैरथल-तिजारा जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान-2025 का रविवार को विधिवत शुभारंभ हो गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्रा ने जिला चिकित्सालय में एक नवजात शिशु को पोलियो की दो बूंदें पिलाकर अभियान का उद्घाटन किया। सुबह 8 बजे से शुरू हुए इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन 25 नवंबर को होगा।प्रमुख चिकित्सा अधिकारी (PMO) डॉ. सागर अरोड़ा ने बताया कि अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष तक की आयु के लगभग 1.25 लाख बच्चों को पोलियो की अतिरिक्त खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा, 'भारत भले ही 2014 से पोलियो मुक्त है, लेकिन सीमावर्ती देशों में अभी भी पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं। इसलिए पोलियो मुक्त स्थिति बनाए रखने के लिए यह अभियान हर साल जरूरी है। 'अभियान के पहले दो दिन (23 व 24 नवंबर) सभी बूथों पर सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक टीमें तैनात रहेंगी। तीसरे दिन 25 नवंबर को घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, धार्मिक स्थल और प्रमुख चौराहों पर भी विशेष बूथ लगाए गए हैं।शुभारंभ कार्यक्रम में पल्स पोलियो प्रभारी डॉ. कैलाश राजोरा, डॉ. सुशीला मीना, डॉ. सोम प्रकाश यादव, डॉ. इंद्रपाल यादव, अल्फोंस सामा, मनजीत यादव सहित चिकित्सालय के कई चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।स्वास्थ्य विभाग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को निकटतम बूथ पर जरूर लेकर आएं या घर पर आने वाली टीम से दवा पिलवाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक खुराक से वंचित न रहे। डॉ. अरोड़ा ने कहा, 'दो बूंदें ही काफी हैं, एक बच्चे का भविष्य सुरक्षित करने के लिए। '

बाबा मोहन राम की 132वीं वार्षिक परिक्रमा संपन्न

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी के प्रसिद्ध काली खोली धाम में बाबा मोहन राम की 132वीं वार्षिक परिक्रमा रविवार को भव्य रूप से संपन्न हुई। भारत विकास परिषद के तत्वावधान में निकली इस शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए और 'बाबा मोहन राम की जय' के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।परिक्रमा का प्रमुख संदेश जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा रहा। केंद्रीय पर्यावरण सदस्य संजीव अग्रवाल ने कहा, 'जल ही जीवन है, इसकी एक बूंद भी व्यर्थ नहीं होनी चाहिए।' सदस्य नीरज झलानी ने भिवाड़ी को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प दिलाया और सैकड़ों श्रद्धालुओं को कपड़े के थैले बांटे। संजीवनी वटवृक्ष की पूजा के साथ सभी से कम से कम पांच पेड़ लगाने की अपील की गई।बेलपत्र के पौधे लगाने के धार्मिक लाभ भी बताए गए। ज्योतिष के अनुसार बुधवार को बेलपत्र का पौधा लगाने से भगवान शिव और मां लक्ष्मी की विशेष कृपा मिलती है तथा ग्रह दोष दूर होते हैं।परिक्रमा के दौरान प्रदीप भेड़ी, शिवकुमार अग्रवाल और अन्नपूर्णा भंडार की ओर से गर्म चाय, पकौड़े व शिकंजी का प्रसाद वितरित किया गया। जन्मदिन वाले भक्तों को विशेष बधाई दी गई। समापन पर मोहन वाटिका में विशाल भंडारा आयोजित हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।आयोजन में बाबा मोहन राम जागृति मंडल का विशेष सहयोग रहा। प्रमुख रूप से सरिता श्रीवास्तव (रोटरी शक्ति क्लब), विमल पंडित, आर.के. भारद्वाज, रमेश सिंगला, एन.के. अग्रवाल, सुनील गर्ग, संजय अग्रवाल, पंकज गुप्ता, कृष्णा गर्ग सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।श्रद्धालुओं ने इसे आस्था के साथ-साथ पर्यावरण जागरूकता का अनूठा संगम बताया ।

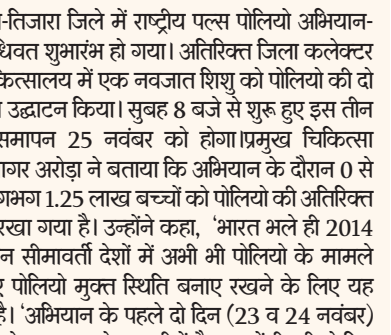

विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत ऑनलाइन गणना प्रपत्र भरने की सुविधा

मुण्डावर विधानसभा के 5 बीएलओ ने किया शत-प्रतिशत डिजिटलाईजेशन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राजस्थान में 28 अक्टूबर 2025 से 7 फरवरी 2025 तक चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision-SIR) कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची के अद्यतन कार्य को गति दी जा रही है। इसी क्रम में 4 नवंबर 2025 से 4 दिसंबर 2025 तक प्रत्येक बूथ लेवल अधिकारी (BLO) द्वारा घर-घर जाकर परिगणना प्रपत्र भरवाए जा रहे हैं। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सृष्टि जैन ने बताया कि भौतिक रूप से प्रपत्र भरवाने के साथ-साथ मतदाता सेवा पोर्टल voters.eci.gov.in ÂÚU Log-in & E-Sign (आधार प्रमाणीकरण आधारित) के माध्यम से आंशिक रूप से Pre-filled परिगणना प्रपत्र स्वयं भरने की ऑनलाइन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इस सुविधा से मतदाता आसानी से अपना गणना प्रपत्र स्वयं ऑनलाइन भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मुण्डावर विधानसभा क्षेत्र के पाँच बूथ लेवल अधिकारियों ने गणना प्रपत्रों के शत-प्रतिशत डिजिटलाईजेशन का कार्य समय पर पूरा कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इनमें मतदान केन्द्र संख्या 29 के बीएलओ देशराज यादव, मतदान केन्द्र 57 के श्याम सिंह चौहान, मतदान केन्द्र 128 के पूरण सिंह यादव, मतदान केन्द्र 178 के अनूप कुमार यादव तथा मतदान केन्द्र 181 के रामकिशन शामिल हैं। इन सभी बीएलओ को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सृष्टि जैन द्वारा बधाई दी गई तथा आगामी समय में जिला स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित भी किया जाएगा।

भिवाड़ी में कार से खतरनाक स्टंट, महिलाओं पर फब्तियाँ कसने और राहगीरों को धमकाने का आरोप; ड्राइवर गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

रविवार दोपहर करीब 1 बजे भिवाड़ी के अरावली विहार क्षेत्र में कुछ मनचले युवकों ने सड़क को रेस ट्रैक बना दिया। मारुति सुजुकी अर्टिगा कार (नंबर हरियाणा रजिस्टर्ड) में सवार 6-7 युवक पुराने आरटीओ ऑफिस से सेक्टर-12, 15 और मनसा चौक जाने वाली मुख्य सड़क पर एक घंटे तक लगातार खतरनाक स्टंट करते रहे। तेज रफ्तार, अचानक ब्रेक, ड्रिफ्टिंग और जीपिंग के अलावा ये युवक राहगीरों को जानबूझकर डराते और महिलाओं-लड़कियों पर अश्लील फब्तियाँ कसते नजर आए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्टंट के दौरान एक डिलीवरी बॉय इनकी गाड़ी की चपेट में आने से बाल-बाल बचा। युवकों ने बाइक सवार डिलीवरी बॉय को मौके पर ही घेरकर गाली-गलौच की और जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। पूरी वारदात का वीडियो लोगों ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक स्टंट करते हुए खुद ही अपना वीडियो बना रहे थे।स्थानीय निवासियों ने बताया कि अरावली विहार सेक्टर-12, 13, 14, 15 और मनसा चौक की सड़कें पिछले कई महीनों से ऐसे गुंडा तत्वों का अड्डा बनी हुई हैं। शाम ढलते ही बुलेट मोटरसाइकिल पर पटाखे फोड़ने वालों का आतंक शुरू हो जाता है। महिलाएँ, बच्चे और बुजुर्ग शाम को घर से निकलने में डरते हैं। रविवार की इस घटना ने लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँचा दिया।वीडियो वायरल होने के बाद तुरंत हरकत में आई भिवाड़ी पुलिस ने स्टंट कर रही अर्टिगा कार को चेकिंग के दौरान पकड़ लिया। ड्राइवर को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया जबकि बाकी युवक कार छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।पुलिस की ओर से क्षेत्र में बड़े स्तर पर अभियान चलाया गया। पटाखा लगी साइलेंसर वाली दो बुलेट मोटरसाइकिलें जब्त की गईं। संदिग्ध स्पा सेंटरों पर छापेमारी कर दो लोगों को हिरासत में लिया गया, जबकि एक स्पा संचालक फरार हो गया। एरिया डोमिनेशन के तहत कुल 11 अन्य असामाजिक तत्वों को भी पकड़ा गया।सेक्टरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इन सड़कों पर नियमित पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और स्टंटबाजी करने वालों पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो। पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया है कि गुंडागर्दी और स्टंटबाजी पर पूरी तरह लगाम लगाई जाएगी और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने दी जाएगी।

विप्र सेना भिवाड़ी-टपूकड़ा कार्यकारिणी का विस्तारः 111 नए पदाधिकारियों ने ली शपथ

समाज सेवा का संकल्प

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

ब्राह्मण समाज के अग्रणी संगठन विप्र सेना की भिवाड़ी-टपूकड़ा इकाई ने रविवार को अपनी कार्यकारिणी का भव्य विस्तार किया। चित्रा इलेक्ट्रॉनिक्स परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 111 नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। सभी ने संगठन के प्रति निष्ठा और समाज सेवा का संकल्प लिया। यह विस्तार विप्र सेना को स्थानीय स्तर पर और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे क्षेत्र के विप्र बंधुओं की संख्या में वृद्धि और सेवा कार्यों में तेजी आएगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता विप्र सेना भिवाड़ी-टपूकड़ा के अध्यक्ष मनोज पांडेय ने की। जिला महिला महासचिव अभिरुचि अवस्थी ने कुशल संचालन किया। अध्यक्ष मनोज पांडेय ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा, 'विप्र सेना समाज की एकता, उत्थान और सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। सभी सदस्य पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे, ताकि विप्र समाज के हर वर्ग तक संगठन की पहुंच हो।' पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण के दौरान विप्र सेना के आदर्शों—समाज हित, सेवा भाव और एकता—का पालन करने का वादा किया।इस अवसर पर संगठन ने आगामी कार्यक्रमों की घोषणा भी की। 'रक्तदान महादान' अभियान के तहत 7 दिसंबर (रविवार) को प्रदेश महिला अध्यक्ष पूनम आचार्य के जन्मदिवस पर विशाल रक्तदान शिविर आयोजित होगा। यह शिविर सरोज नर्सिंग होम, भिवाड़ी में लगेगा। विप्र सेना ने सभी विप्र बंधुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और रक्तदान कर मानव सेवा का पुण्य कमाएं। पदाधिकारियों ने कहा कि यह शिविर विप्र सेना की सेवा यात्रा का नया अध्याय होगा।कार्यक्रम में जिला स्तर के कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे। इनमें संरक्षक नरेंद्र उपाध्याय, सीपी भारद्वाज, जिला अध्यक्ष अशोक कौशिक, जिला कोषाध्यक्ष महिपाल शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी विनय पांडेय, भिवाड़ी युवा प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष संजय शर्मा एवं नितिन शर्मा, युवा प्रकोष्ठ महासचिव नीरज कौशिक, प्रदेश महिला उपाध्यक्ष डॉ. रचना शर्मा, भिवाड़ी महिला महासचिव रीना पांडेय, महिला कोषाध्यक्ष श्रुति सारस्वत, ललित शर्मा, संयोजक सोमदत्त शर्मा, भिवाड़ी महासचिव भीम शर्मा सौभरी, भिवाड़ी कोषाध्यक्ष राकेश चंद्र शर्मा तथा हिरदेश शर्मा शामिल थे। उपस्थित विप्र बंधुओं ने विस्तार को संगठन की मजबूती का प्रतीक बताते हुए समाज सेवा के नए आयाम स्थापित करने का संकल्प दोहराया।विप्र सेना का यह विस्तार भिवाड़ी-टपूकड़ा क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता और सेवा कार्यों को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। संगठन का लक्ष्य विप्र समाज को एकजुट कर सामाजिक-आर्थिक उत्थान सुनिश्चित करना है।

लायंस क्लब भिवाड़ी सिटी का रक्तदान शिविर सफलः 80 यूनिट रक्त संग्रहित

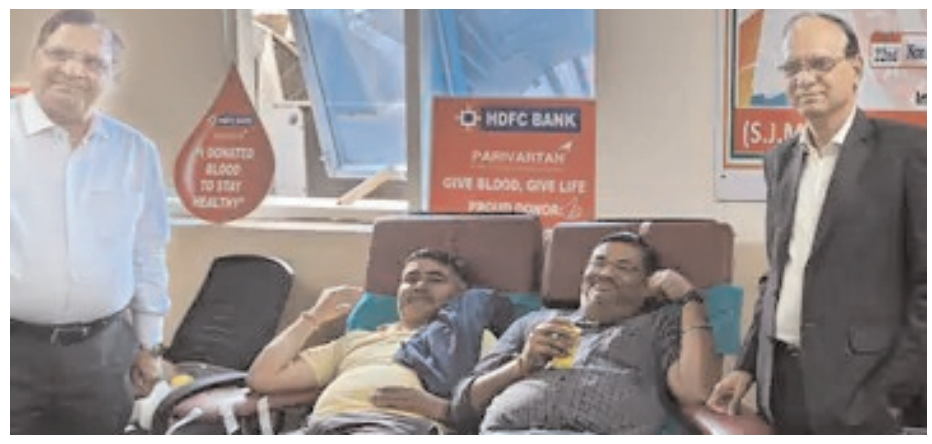

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

लायंस क्लब भिवाड़ी सिटी ने सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए रविवार को एक निजी कंपनी के परिसर में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। S.J.M.C. जनसेवा ब्लड सेंटर के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में कंपनी के कर्मचारियों, स्थानीय समाजसेवियों और स्वैच्छिक दाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परिणामस्वरूप कुल 80 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए वरदान साबित होगा।क्लब के सचिव लॉयन शुभम अग्रवाल ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य अस्पतालों में रक्त की कमी को दूर करना और सुरक्षित रक्त आपूर्ति सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा, 'रक्तदान एक सादा कार्य है जो किसी की जान बचा सकता है। हमारा प्रयास है कि भिवाड़ी में नियमित रूप से ऐसे आयोजन हों, ताकि कोई मरीज रक्त के अभाव में न झूले।' S.J.M.C. जनसेवा ब्लड सेंटर की मेडिकल टीम ने प्रत्येक रक्तदाता की पूर्ण चिकित्सकीय जांच—जैसे हीमोग्लोबिन लेवल, रक्तचाप और स्वास्थ्य इतिहास—के बाद ही दान की अनुमति दी। इससे सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन हुआ।कंपनी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के.सी. शर्मा और उनकी टीम ने इस पहल की खुलकर सराहना की। शर्मा ने कहा, 'कर्मचारियों ने इसे एक सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में लिया। भविष्य में हम ऐसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करेंगे और कंपनी स्तर पर रक्तदान को बढ़ावा देंगे।' कार्यक्रम के अंत में सभी सहयोगी संस्थाओं, रक्तदाताओं और मेडिकल टीम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।शिविर में लायंस क्लब भिवाड़ी सिटी के अध्यक्ष लॉयन अशोक गुप्ता, लॉयन प्रवीण कपूर, लॉयन डॉ. विकास अरोड़ा, लॉयन डॉ. मानसी अरोड़ा, लॉयन राजीव टीकमानी, लॉयन नरेंद्र गुप्ता, लॉयन अशोक ब्रजवानी और लॉयन अभिषेक गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। S.J.M.C. जनसेवा ब्लड सेंटर से माया मालिक, डॉ. सचिन, शिव सागर और अंकित ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।लायंस क्लब का यह प्रयास भिवाड़ी में रक्तदान जागरूकता को मजबूत करेगा। क्लब ने आगामी महीनों में और शिविर आयोजित करने की योजना बनाई है, जिसमें महिलाओं और युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा।

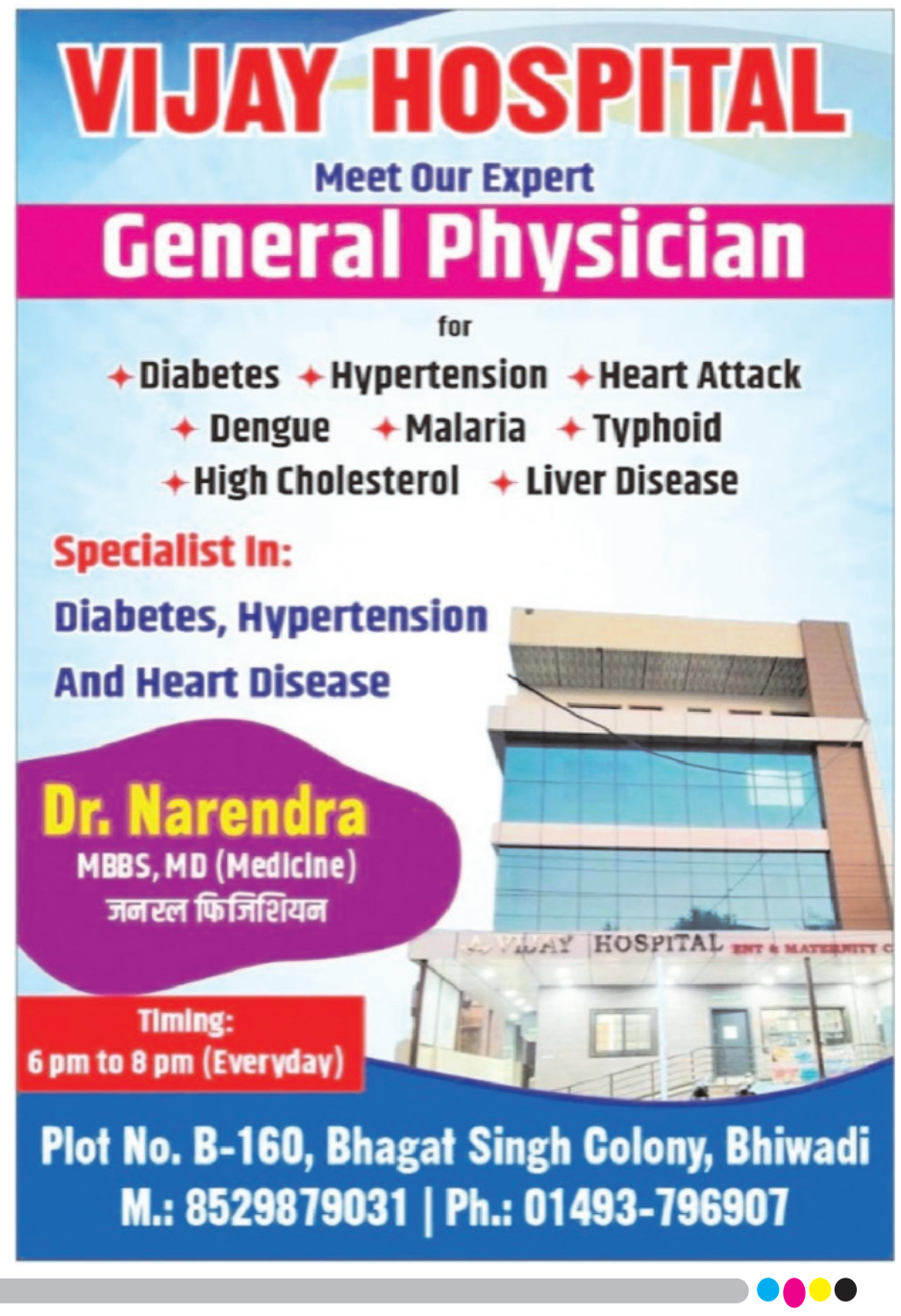

भारत में जलवायु संकट-स्वास्थ्य एवं समृद्धि पर कहर

ललित गर्ग

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है।

जलवायु परिवर्तन से उपजी पर्यावरणीय चुनौतियाँ आज मानव सभ्यता के अस्तित्व तक को प्रभावित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर का वैज्ञानिक विचार नहीं, बल्कि तत्काल अनुभव किया जाने वाला यथार्थ है, जिसकी भयावहता का प्रमाण सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया 2025 की रिपोर्ट में स्पष्ट दिखाई देता है। जनवरी से सितंबर 2025 तक भारत ने अपने 99 प्रतिशत दिनों में किसी न किसी चरम मौसमी घटना-बाढ़, सूखा, भारी बारिश, तूफान, ठंड-लहर, अथवा भीषण गर्मी का सामना किया। इसी अवधि में 4,064 लोगों की मौत, 9.47 मिलियन हेक्टेयर फसल का नष्ट होना, लगभग 58,982 जानवरों की मृत्यु और 99,533 घरों का ढहना इस संकट की गहराई को दर्शाते हैं। कृषि क्षेत्र इन घटनाओं का सबसे बड़ा शिकार बना, क्योंकि जलवायु असंतुलन ने खेतों, मौसम चक्र और पैदावार को सीधे प्रभावित किया। बढ़ते तापमान और असामान्य वर्षा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश के सामने ये मुश्किलें सबसे बड़ी हैं। हिमाचल प्रदेश में 257 दिनों का चरम मौसम, मध्य प्रदेश में 532 मौतें और महाराष्ट्र में 84 लाख हेक्टेयर फसल का नुकसान बताता है कि यह सिर्फ पर्यावरणीय विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था का संकट है।

2025 में, कम से कम 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2022 के बाद से सबसे अधिक चरम मौसमी दिन दर्ज किए गए। फरवरी से सितंबर 2025 तक, लगातार आठ महीनों तक देश के 30 या उससे अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चरम मौसम की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं। भारत में जैसे हालात हैं, वही स्थिति पूरे विश्व में भी फैलती जा रही है। वर्ष 2023, 2024 और 2025 दुनिया के सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे। यूरोप की निरंतर हीटवेव, अफ्रीका के साहेल क्षेत्र का अकाल, अमेजन और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग, प्रशांत और अटलांटिक महासागरों में उग्र तूफान, और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने की घटनाएँ यह संकेत दे रही हैं कि पृथ्वी एक खतरनाक मोड़ की ओर बढ़ रही है। मौसम चक्रों का असंतुलन, समुद्र स्तर में वृद्धि, तापमान का अचानक बढ़ना और वर्षा का अनियमित होना, प्राकृतिक आपदाओं को न सिर्फ अधिक सघन बना रहा है बल्कि मानव जीवन को असुरक्षित भी। जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी वजह मनुष्य की अनियंत्रित गतिविधियाँ हैं- जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता, वनों की कटाई, प्रदूषण, अनियोजित शहरीकरण और अत्यधिक उपभोग ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों को खतरनाक स्तर तक बढ़ा दिया है, जिसका परिणाम है पृथ्वी का असामान्य रूप से गर्म होना।

इन परिस्थितियों का असर जीवन के हर क्षेत्र पर दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य पर प्रभाव बढ़ रहा है, हीटवेव के कारण मौतें बढ़ रही हैं, नए वायरस और प्रदूषण से उत्पन्न बीमारियों की आवृत्ति बढ़ी है। जल संसाधन खतरे में हैं और कई क्षेत्रों में नदियाँ व भूजल तेजी से सूख रहे हैं। खाद्य संकट गहराता जा रहा है क्योंकि फसलें असफल हो रही हैं, जिससे अनाज और सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक ढाँचा भी डगमगा रहा है, लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं और असमानता तेजी से बढ़ रही है। यदि दुनिया ने तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने का लक्ष्य पूरा नहीं किया, तो आने वाले तीन दशकों में हिमालयी नदियों का प्रवाह अनि त हो जाएगा, तटीय शहर खतरे में पड़ेंगे और मानव जीवन मुश्किल होता चला जाएगा।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को दशार्ती एक ओर रिपोर्ट पिछले दिनों 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' के अनुसार पिछले साल जलवायु परिवर्तन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि 'द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया और द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्टों में उजागर तथ्य हमारी आंख खोलने वाले व सचेतक हैं।

इन्हीं चिन्ताजनक रिपोर्टों पर सीएसई की महानिदेशक सुनिता नारायण ने कहा, देश को अब सिर्फ आपदाओं को गिनने की जरूरत नहीं है, बल्कि उस पैमाने को समझने की जरूरत है जिस पर जलवायु परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन कटौती की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि इतने बड़े पैमाने की आपदाओं के लिए कोई भी अनुकूलन संभव नहीं होगा। सीएसई के कार्यक्रम निदेशक किरन पांडे ने मानसून के दौरान बढ़ते तापमान को चिंताजनक बताया, जो अनियमित और चरम मौसमी घटनाओं को ट्रिगर कर सकता है। डाउन टू अर्थ के प्रबंध संपादक रिचर्ड महापात्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट एक आवश्यक चेतावनी है और बिना निर्णायक शमन प्रयासों के आज की आपदाएं कल का नया सामान्य बन जाएंगी। ऐसे समय में सिर्फ सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर आम नागरिक को भी पर्यावरण संरक्षण का सहभागी बनना होगा। सबसे पहले जीवनशैली को प्रकृति के अनुकूल बनाना जरूरी है, ऊर्जा की बचत, जल का सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग, प्लास्टिक का परित्याग, वृक्षारोपण, जैविक कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण जैसी छोटी गतिविधियाँ बड़े परिणाम ला सकती हैं। घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, रसोई कचरे से खाद बनाना और अनावश्यक उपभोग कम करना पर्यावरण पर सकारात्मक असर डालते हैं। वाहन का कम उपयोग, सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता, पैदल चलने और साइकिल जैसे पर्यावरण-मित्र विकल्प अपनाना जलवायु परिवर्तन से लड़ने की दिशा में शक्तिशाली कदम हैं।

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है। शिक्षा, जागरूकता और जनभागीदारी इस लड़ाई के सबसे महत्वपूर्ण हथियार हैं। स्कूलों और घरों में बच्चों को पर्यावरणीय मूल्यों का प्रशिक्षण देना भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। जलवायु संकट अपने आप नहीं थमेगा; इसे रोकने के लिए संकल्प, संयुक्त प्रयास और सतत विकास को जीवन की प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। पृथ्वी हमारे पास केवल एक है और उसका कोई विकल्प नहीं। समय का यही संदेश है कि यदि हम प्रकृति की चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लेंगे, तो आने वाला समय मानवता के लिए और भी कठिन हो जाएगा। लेकिन यदि हर मनुष्य अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाए, तो जलवायु परिवर्तन की दिशा को बदला जा सकता है और धरती को संतुलन, शांति और स्थायित्व प्रदान किया जा सकता है।

संपादकीय

त्रासदी की जवाबदेही

यह खबर विचलित करने वाली है कि दिल्ली में एक सोलह वर्षीय छात्र और जयपुर में एक नौ साल की छात्रा ने स्कूल की असहज स्थितियों के चलते आत्महत्या कर ली है। निस्संदेह, ये आत्महत्या की घटनाएं एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती हैं। भारत के स्कूल, जिनका उद्देश्य बच्चों का पालन-पोषण और सुरक्षा करना है, तेजी से ऐसे स्थानों में बदल रहे हैं जहां क्रूरता, उपेक्षा और अनियंत्रित अधिकार बच्चों के जीवन को बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां कोई असामान्य बात नहीं हैं; ये एक असफल व्यवस्था के लक्षण हैं। तीसरी भयावह घटना महाराष्ट्र के वसई की है जहां एक तेरह साल की छात्रा को किसी कारणवश स्कूल देर से पहुंचने पर शिक्षक ने अमानवीय सजा दी। छात्रा को स्कूल बैग के साथ सौ उठक-बैठक लगाने को बाध्य किया गया। यह तथ्य नजरअंदाज करते हुए कि वह एनीमिया से पीड़ित है। छात्रा कुछ देर के बाद बेहोश हो गई और कालांतर में उसकी मौत हो गई। निस्संदेह, एक छात्र व एक छात्रा की आत्महत्या और महाराष्ट्र के वसई में छात्रा की उठक-बैठक लगाने से हुई मौत एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती है। स्कूल जिनका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को पालन-पोषण और सुरक्षा करना था, वे बच्चों के जीवन पर संकट की वजह बन रहे हैं। वहां शिक्षकों की संवेदनहीनता, उपेक्षा और सख्त व्यवहार कई बच्चों का जीवन बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां असामान्य बात नहीं, ये हमारी शिक्षा व्यवस्था की असफलता की कहानी कहती है। दिल्ली में, मेट्रो स्टेशन से छलांग लगाने वाले किशोर ने अपने शिक्षकों के हाथों अपमान का हृदय विदारक वर्णन करते हुए एक पत्र छोड़ा है। उसके माता-पिता ने छात्र के उत्पीड़न का आरोप शिक्षकों पर लगाया है। उनका आरोप है कि उसे छोटी-छोटी बात पर डांटा गया, निष्कासन की धमकी दी गई और सहपाठियों के सामने मजाक उड़ाया गया। आत्महत्या करने वाले छात्र के अभिभावकों द्वारा प्राथमिकी में बताया गया कि छात्र ने मन में आने वाले आत्महत्या के विचार से काउंसलर को अवगत कराया था। लेकिन शिक्षकों ने न तो माता-पिता को सूचित किया और न ही उसे इस दिशा में सोचने से रोकने के लिये कोई सलाह दी गई। नि त रूप से जब कोई छात्र अपनी किसी गंभीर समस्या का जिक्र करता है तो ऐसे में उदासीनता हिंसा का एक रूप ही कही जाएगी।

चिंतन-मनन

बद्धजीव का कर्मक्षेत्र

अर्जुन प्रकृति, पुरुष, क्षेत्र, क्षेत्रज्ञ, ज्ञान तथा ज्ञेय के विषय में जानने का इच्छुक था। जब उसने इनके विषय में पूछा तो कृष्ण ने कहा कि यह शरीर क्षेत्र कहलाता है और इस शरीर को जानने वाला क्षेत्रज्ञ है। यह शरीर बद्धजीव के लिए कर्म-क्षेत्र है। बद्धजीव इस संसार में बंधा हुआ है और वह भौतिक प्रकृति पर अपना प्रभुत्व प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार प्रकृति पर प्रभुत्व दिखाने की क्षमता के अनुसार उसे कर्म-क्षेत्र प्राप्त होता है। यह कर्म-क्षेत्र शरीर है। और यह शरीर क्या है? शरीर इन्द्रियों से बना हुआ है। बद्धजीव इन्द्रियतृप्ति चाहता है, और इन्द्रियतृप्ति को भोगने की क्षमता के अनुसार ही उसे शरीर या कर्म-क्षेत्र प्रदान किया जाता है। इसीलिए बद्धजीव के लिए शरीर क्षेत्र अथवा कर्मक्षेत्र कहलाता है।

जो व्यक्ति अपने को शरीर मानता है, वह क्षेत्रज्ञ कहलाता है। क्षेत्र तथा क्षेत्रज्ञ अथवा शरीर और शरीर के ज्ञाता (देही) का अन्तर समझ पाना कठिन नहीं है। कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि बाल्यकाल से वृद्धावस्था तक उसमें अनेक परिवर्तन होते रहते हैं, फिर भी वह व्यक्ति वही रहता है। इस प्रकार कर्म-क्षेत्र के ज्ञाता तथा वास्तविक कर्म-क्षेत्र में अन्तर है। एक बद्धजीव जान सकता है कि वह अपने शरीर से भिन्न है। बताया गया है कि जीव शरीर के भीतर है और यह शरीर बालक से किशोर, किशोर से तरुण तथा तरुण से वृद्ध के रूप में बदलता जाता है और शरीरधारी जानता है कि शरीर परिवर्तित हो रहा है। स्वामी स्पष्टतः क्षेत्रज्ञ है।

कभी-कभी हम सोचते हैं। मैं सुखी हूं, मैं पुरुष हूं, मैं स्त्री हूं। यह ज्ञाता की शारीरिक उपाधियां हैं, लेकिन ज्ञाता शरीर से भिन्न होता है। भले ही हम तरह-तरह की वस्तुएं प्रयोग में लाएं- जैसे कपड़े इत्यादि, लेकिन हम जानते हैं कि हम इन वस्तुओं से भिन्न हैं। इसी प्रकार, थोड़ा विचार करने पर हम यह भी जानते हैं कि हम शरीर से भिन्न हैं। मैं, तुम या अन्य कोई जिसने शरीर धारण कर रखा है, क्षेत्रज्ञ कहलाता है- अर्थात वह कर्म-क्षेत्र का ज्ञाता है और यह शरीर क्षेत्र है- साक्षात कर्म-क्षेत्र है।

गुरु तेग बहादुरः शहादत की अनंत ज्योति, धर्म-रक्षा का अमर संदेश

दिलीप कुमार पाठक

गुरु तेग बहादुर सिंह सिक्खों के नौवें गुरु थे। विश्व इतिहास में धर्म एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में इनका अद्वितीय स्थान है। तेग बहादुर जी के बलिदान से हिंदुओं व हिन्दू धर्म की रक्षा हुई। हिन्दू धर्म के लोग भी उन्हें याद करते हैं ' तेग बहादुर सिंह 20 मार्च, 1664 को सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे और 24 नवंबर, 1675 तक गद्दी पर आसीन रहे।

गुरु तेग बहादुर जी का जन्म अमृतसर में हुआ था, ये गुरु हरगोविन्द जी के पाँचवें पुत्र थे। आठवें गुरु इनके पोते हरिकृष्ण राय जी की मृत्यु हो जाने के कारण जनमत द्वारा ये नौवें गुरु बनाए गए। इन्होंने आनन्दपुर साहिब का निर्माण कराया और ये वहीं रहने लगे थे, मात्र 14 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ मुगलों के हमले के खिलाफ हुए युद्ध में उन्होंने वीरता का परिचय दिया। उनकी वीरता के कारण उनके पिता ने उनका नाम त्यागमल से तेग बहादुर रख दिया। युद्धस्थल में भीषण रक्तपात देखकर गुरु तेग बहादुर के मन पर गहरा प्रभाव पड़ा और उनका मन आध्यात्मिक चिंतन की ओर हुआ। त्याग की मूर्ति गुरु तेग बहादुर जी ने एकांत में लगातार 20 वर्ष तक बाबा बकाला नामक स्थान पर साधना की। आनंदपुर साहब से कीरतपुर, रोपण, सैफाबाद होते हुए वे खिआला पहुँचे । यहाँ उपदेश देते हुए दमदमा साहब से होते हुए कुरुक्षेत्र पहुँचे। कुरुक्षेत्र से यमुना के किनारे होते हुए कड़ामानकपुर पहुँचे और यहीं पर उन्होंने साधु भाई मलूकदास का उद्धार किया। इसके बाद गुरु तेग बहादुर जी प्रयाग, बनारस, पटना, असम आदि क्षेत्रों में गए, जहाँ उन्होंने आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक, उन्नयन के लिए रचनात्मक कार्य किए। आध्यात्मिकता, धर्म का ज्ञान बाँटा। रूढ़ियों, अंधविश्वासों की आलोचना कर नये आदर्श स्थापित किए। उन्होंने परोपकार के लिए कुएँ खुदवाना, धर्मशालाएँ बनवाना आदि कार्य भी किए। इन्हीं यात्राओं में 1666 में गुरुजी के यहाँ पटना साहब में पुत्र का जन्म हुआ। जो दसवें गुरु- गुरु गोविंद सिंह बने।

औरंगजेब के शासन काल में उसके दरबार में एक विद्वान पंडित आकर रोज गीता के श्लोक पढ़ता और उसका अर्थ सुनाता था, पर वह पंडित गीता में से कुछ श्लोक छोड़ दिया करता था। एक दिन पंडित बीमार हो गया और औरंगजेब को गीता सुनाने के लिए उसने अपने बेटे को भेज दिया परन्तु उसे बताना भूल गया कि उसे किन किन श्लोकों का अर्थ राजा से सामने नहीं करना था। पंडित के बेटे ने जाकर औरंगजेब को पूरी गीता का अर्थ सुना दिया। गीता का पूरा अर्थ सुनकर औरंगजेब को यह ज्ञान हो गया कि प्रत्येक धर्म अपने आपमें महान्‌ है किन्तु औरंगजेब की हठधर्मिता थी कि वह अपने के धर्म के अतिरिक्त किसी दूसरे धर्म की प्रशंसा सहन नहीं थी। औरंगजेब ने सबको इस्लाम धर्म अपनाने का आदेश दे दिया और संबंधित अधिकारी को यह कार्य सौंप दिया। औरंगजेब ने कहा -सबसे कह दो या तो इस्लाम धर्म कबूल करें या मौत को गले लगा लें। इस प्रकार की जबर्दस्ती शुरू हो जाने से अन्य धर्म के लोगों का जीवन कठिन हो गया। जुल्म से ग्रस्त कश्मीर के पंडित गुरु तेग बहादुर के पास आए और उन्हें बताया कि किस प्रकार ?इस्लाम को स्वीकार करने के लिए अत्याचार किया जा रहा है, कृपया आप हमारे धर्म को बचाइए। गुरु तेग बहादुर जब लोगों की व्यथा सुन रहे थे, उनके 9 वर्षीय पुत्र बाला प्रीतम वहाँ आए और उन्होंने पिताजी से पूछा- पिताजी, ये सब इतने उदास क्यों हैं? आप क्या सोच रहे हैं?गुरु तेग बहादुर ने पंडितों की सारी समस्याएं बाला प्रीतम को बताईं तो उन्होंने पूछा- इसका हल कैसे होगा? गुरु साहिब ने कहा- इसके लिए बलिदान देना होगा। प्रीतम ने कहा- आपसे महान्‌ पुरुष कोई नहीं है। बलिदान देकर आप इन सबके धर्म को बचाइए।उस बच्चे की बातें सुनकर वहाँ उपस्थित लोगों ने पूछा- यदि आपके पिता बलिदान देंगे तो आप यतीम हो जाएँगे। आपकी माँ विधवा हो जाएगीं। बाला प्रीतम ने उत्तर दिया- यदि मेरे अकेले के यतीम होने से लाखों बच्चे यतीम होने से बच सकते हैं या अकेले मेरी माता के विधवा होने जाने से लाखों माताएँ विधवा होने से बच सकती है तो मुझे यह स्वीकार है। तत्प ात गुरु तेग बहादुर जी ने पंडितों से कहा कि आप जाकर औरंगजेब से कह ?दें कि यदि गुरु तेग बहादुर ने इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया तो उनके बाद हम भी इस्लाम धर्म ग्रहण कर लेंगे और यदि आप गुरु तेग बहादुर जी से इस्लाम धारण नहीं करवा पाए तो हम भी इस्लाम धर्म धारण नहीं करेंगे। औरंगजेब ने यह स्वीकार कर लिया। गुरु साहब दिल्ली में औरंगजेब के दरबार में स्वयं गए। औरंगजेब ने उन्हें बहुत से लालच दिए, पर गुरु तेग बहादुर जी नहीं माने तो उन पर जुल्म किए गये, उन्हें कैद कर लिया गया, दो शिष्यों को मारकर गुरु तेग बहादुर जी को ड़राने की कोशिश की गयी, पर वे नहीं माने। उन्होंने औरंगजेब से कहा- यदि तुम जबर्दस्ती लोगों से इस्लाम धर्म ग्रहण करवाओगे तो तुम सच्चे मुसलमान नहीं हो क्योंकि इस्लाम धर्म यह शिक्षा नहीं देता कि किसी पर जुल्म करके मुस्लिम बनाया जाए। औरंगजेब यह सुनकर आगबबूला हो गया। उसने दिल्ली के चाँदनी चौक पर गुरु तेग बहादुर जी का शीश काटने का हुक्म जारी कर दिया और गुरु जी ने 24 नवम्बर 1675 को हँसते-हँसते बलिदान दे दिया। गुरु तेग बहादुरजी की याद में उनके शहीदी स्थल पर गुरुद्वारा बना है, जिसका नाम गुरुद्वारा शीश गंज साहिब है।

(लेखक पत्रकार हैं)

दुबई एयरशो में तेजस हादसा और मेक-इन-इंडिया की साख

योगेश कुमार गोयल

क्रैश के बाद भी चमकेगा भारत का स्वदेशी सितारा?

21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की खोज के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है। दुबई एयरशो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे, जब भारत का तेजस एमके-1ए देश की आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया। विमान ने अचानक अपनी स्थिरता खो दी, जैसे किसी ने उसकी धड़कन रोक दी हो और देखते-ही-देखते वह सीधे नीचे गिरता हुआ आग के विशाल गोले में परिवर्तित हो गया। धुएं का काला गुबार ऊपर उठा और पूरा एयरशो मानो स्तब्ध होकर ठहर गया। स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी। उस घटना के बाद पूरे एलसीए एमके-1 बेड़े की विस्तृत सुरक्षा जांच की गई और पाया गया कि विमान में कोई प्रणालीगत सुरक्षा खामी नहीं है। ऐसी स्थिति में दुबई हादसा एक बार फिर प्रश्न उठाता है कि आखिर इस विश्वसनीय प्लेटफॉर्म ने प्रदर्शन के दौरान अचानक ऐसा व्यवहार क्यों किया, जिसने पायलट को प्रतिक्रिया का भी अवसर नहीं दिया? दुबई एयरशो में विमान द्वारा किए जा रहे मैन्यूवर्स के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने विशेषज्ञों के बीच कई सवाल पैदा किए हैं। विमान तेज गति से एक मोड़ ले रहा था और सामान्यतः ऐसी परिस्थितियों में तेजस जैसे आधुनिक चौथी पीढ़ी के विमान स्थिर रहते हैं परंतु पलभर में ही उसका नियंत्रित ग्लाइड अचानक एक फ्री-फॉल में तब्दील हो गया। विमान के नीचे आते ही कुछ ही सैकेंड में वह पूरी तरह आग में घिर गया। ऐसे में सवाल यही है कि क्या तेजस में कोई ऐसी खामी थी, जो वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। क्या उसकी उड़ान से पहले फिट होने की सही तरह से जांच नहीं की गई थी? न केवल देश बल्कि दुनिया के सामने यह सामने आना जरूरी है कि आखिर तेजस एकाएक हवा से सीधा जमीन पर क्यों आ गिरा क्योंकि इसे पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, या तो विमान को अचानक पावर लॉस हुआ या किसी महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया। यह भी संभव है कि अत्यधिक तेज कोण (एंगल ऑफ अटैक) में मोड़ लेते हुए विमान एरोडायनामिक स्टॉल का शिकार हो गया हो परंतु अनुभवी टेस्ट पायलट ऐसे मैन्यूवर के दौरान सामान्यतः नियंत्रण नहीं खोते। इसलिए जांच की दिशा स्वाभाविक रूप से किसी तकनीकी विफलता, इंजन व्यवहार, नियंत्रण प्रणाली या अचानक हुई किसी यांत्रिक टूट-फूट की तरफ जाएंगी। तेजस एमके-1ए को भारत का सबसे आधुनिक, हल्का और अत्याधुनिक तकनीक वाला लड़ाकू विमान माना जाता है। यह सुपरसोनिक गति से उड़ान भर सकता है, बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलें दाग सकता है और एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकता है। इसका ढ़ांचा टाइटेनियम, एल्युमिनियम-लिथियम मिश्रधातुओं और कार्बन फाइबर कंपोजिट से बना है, जिससे यह बेहद हल्का और मजबूत बनता है। यह हल्का वजन ही इसे असाधारण फुर्ती प्रदान करता है। तेजस की रेंज, पेलोड और युद्धक क्षमता इसे एशिया और अफ्रीका के कई देशों में आकर्षण का केंद्र बनाती हैं। मलेशिया, तुर्कमेनिस्तान, इजिप्ट, यूएई, श्रीलंका और सिंगापुर जैसे देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। इसीलिए दुबई एयरशो में तेजस की उपस्थिति भारत के लिए केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं थी बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच था, जहां भारत अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता का भरोसेमंद चेहरा पेश कर रहा था। ऐसे में तेजस का प्रदर्शनी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होना स्वाभाविक रूप से भारत की निर्यात संभावनाओं के लिए चिंता का विषय है। हालांकि रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि एक अकेली दुर्घटना किसी विमान की छवि को स्थायी रूप से धूमिल नहीं करती, बशर्ते जांच पारदर्शी, तेज और गहन हो। एफ-16, मिग-29, राफेल, ग्रिपेन इत्यादि दुनिया के लगभग सभी प्रसिद्ध युद्धक विमानों की शुरूआती वर्षों में दुर्घटनाएं हुई थी लेकिन समय के साथ वे दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म बने। अतः तेजस के लिए भी यह निर्णायक परीक्षा का समय है।

तेजस भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी लड़ाकू विमान है, हालांकि इसका इंजन अमेरिकी कंपनी जीई से आता है। भारत और जीई के बीच 2021 और 2023 में हुए समझौतों के तहत एमके-1ए और एमके-2 कार्यक्रम के लिए इंजन की आपूर्ति सुनि त की गई है। इंजनों पर आंशिक निर्भरता के बावजूद तेजस की बाकी प्रणाली(डिजाइन, ढ़ांचा, एवीओनिक्स, राडार) भारत द्वारा विकसित की गई हैं। तेजस को भारतीय वायुसेना में 2016 में शामिल किया गया था और तब से इसकी दो स्क्वाड्रन सेवा में हैं। एमके-1ए संस्करण, जो कि दुर्घटनाग्रस्त विमान का मॉडल था, तेजस परिवार का सबसे उन्नत संस्करण माना जाता है। इसके लिए 2021 में भारत सरकार ने एचएएल को 48,000 करोड़ रुपये का बड़ा अनुबंध दिया था और हाल ही में इसकी 97 और इकाईयों के लिए लगभग 62,000 करोड़ रुपये का नया समझौता हुआ था। इसका मतलब है कि भारत आगामी वर्षों में तेजस को अपनी वायुसेना का मुख्य लाइट-फाइटर प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में बढ़ चुका है।

ऐसे समय में दुबई जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में हुआ यह क्रैश सार्वजनिक विमर्श में कई प्रश्न छोड़ गया है। क्या यह तकनीकी खामी थी? क्या प्रदर्शन की परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी? क्या किसी बाहरी तत्व ने विमान के व्यवहार को प्रभावित किया? क्या पूर्व क्रैश से सीखी गई तकनीकी सीखों को एमके-1ए में पर्याप्त रूप से शामिल किया गया था? इस घटना का एक और भावनात्मक पक्ष है, पायलट की शहादत। एक टेस्ट पायलट उच्च-जोखिम वाले वातावरण में उड़ान भरता है। वे केवल उड़ान नहीं भरते बल्कि हर उड़ान में विमान, उसकी प्रणालियों और उसकी हर क्षमता का परीक्षण करते हैं। इसीलिए उन्हें एयरोनॉटिक्स का अग्रदूत माना जाता है। इस हादसे के बीच यह तथ्य नहीं भुलाया जा सकता कि तेजस अब भी भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता, सामरिक क्षमता और रक्षा-विकास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस दुर्घटना से तेजस का भविष्य खत्म नहीं होता बल्कि यह उसके विकास की गति को और तर्कसंगत, वैज्ञानिक और मजबूत बनाने का अवसर बन सकता है।

करंट लगने से युवक की मौत, अस्पताल में हंगामा, मुआवजे की उठी मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सैदमपुर गांव में रविवार दोपहर खेत में 11 हजार केवी विद्युत लाइन का तार छू जाने से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया और करीब दो घंटे तक धरने पर बैठे रहे। मृतक की पहचान इसराइल खान पुत्र चोपड़ा निवासी सैदमपुर के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि करंट लगने से हुई मौत के बाद वे मुआवजे की मांग को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां सैकड़ों ग्रामीण जमा हो गए। मृतक के परिवार के लिए 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता, एक सदस्य को संविदा पर नौकरी, गांव में क्षतिग्रस्त विद्युत लाइन को दुरुस्त करने और हादसे के लिए जिम्मेदार ठेकेदार की फर्म का लाइसेंस निरस्त करने की मांग रखी गई। सूचना पर तहसीलदार अंकित गोयल, थानाधिकारी राजपाल सिंह, सहायक अभियंता भूपेंद्र पूनिया सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों से समझाइश कर मामला शांत कराया। अधिकारियों ने जांच के बाद दोषी ठेका कर्मियों और फर्म के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक इसराइल खान के आठ लड़कियां और दो लड़के बताए जाते हैं। उसकी दो शादियां हुई थीं और दूसरी पत्नी सहित छह बच्चे उस पर निर्भर थे। हादसे से गांव में शोक के साथ आक्रोश का माहौल है।

सरिस्का के गांवों में इंटरनेट की समस्या, एसआईआर कार्य में आ रही परेशानी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सरिस्का बाघ परियोजना क्षेत्र के गांवों में इंटरनेट व मोबाइल नेटवर्क की कमी के कारण मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम में कठिनाई आ रही है। अकबरपुर क्षेत्र में स्थित माधोगढ़ ग्राम पंचायत के कई गांव पहाड़ी और घने जंगलों में बसे हुए हैं, जहां नेटवर्क न होने से गणना प्रपत्रों को ऑनलाइन अपलोड करना चुनौती बन गया है। वॉलिंटियर हरिओम गुर्जर ने बताया कि रईका गांव, जो माधोगढ़ से करीब 8 किलोमीटर अंदर जंगल में स्थित है, वहां नेटवर्क बिल्कुल नहीं मिलता। ऐसे में ग्रामीणों से घर-घर जाकर फॉर्म भरने के बाद उन्हें माधोगढ़ मुख्यालय लाकर ऑनलाइन अपलोड करना पड़ रहा है। बीएलओ भी साथ चलकर कार्य में सहयोग कर रहे हैं। बताया गया कि लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इसी तरह, अन्य गांवों में इन दिनों प्याज की खेती के कारण लोग खेतों में व्यस्त हैं और घर पर उपलब्ध नहीं हो पा रहे, जिससे फॉर्म भरने में देरी हो रही है। ग्राम पंचायत उमरैण की एलडीसी रेखा ने भी बताया कि वे घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरकर उन्हें ऑनलाइन कर रही हैं, लेकिन नेटवर्क की समस्या कार्य को प्रभावित कर रही है। जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में नेटवर्क की कमी चुनावी कार्यों के लिए बड़ी बाधा बनी हुई है, जबकि स्थानीय वॉलिंटियर और कर्मचारी लगातार मेहनत कर कार्यक्रम को समय पर पूरा करने में जुटे हुए हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर चार वाहन भिड़े, एक महिला गंभीर घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा शाहजहांपुर

शाहजहांपुर में रविवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क निर्माण कार्य के बीच तेज गति से निकलने की कोशिश में चार वाहन आपस में भिड़ गए। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया, हालांकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार, लाईओवर की चढ़ाई से पहले निर्माणाधीन सड़क पर खड़े एक वाहन को पीछे से तेज रफ्तार ट्रोले ने टक्कर मारी। उसके बाद क्रमवार चार वाहन एक-दूसरे से टकराते चले गए। कार सवार सोभित सिंह नेगी निवासी पंजाब (वर्तमान में नीमराणा में कार्यरत) अपने पिता को लेने रेवाड़ी जा रहे थे। कार में उनकी पत्नी, माता और बच्चे भी सवार थे। जोरदार टक्कर में एयरबैग खुलने के बावजूद सोभित की माता को सिर में गंभीर चोट आई, जबकि परिवार के अन्य सदस्यों को हल्की चोटें लगीं। मौके पर मौजूद एक वाहन चालक ने मदद करते हुए घायल महिला को अपनी कार से नीमराणा के निजी अस्पताल पहुंचाया। दूसरी कार में सवार गणेश कुमार निवासी बिहार, जो खाटूश्यामजी से गुरुग्राम लौट रहे थे, भी हादसे में घायल हुए और उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रोले का चालक भाग निकला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाया। इसके बाद जाम खोलकर यातायात सुचारू कराया गया।

जनकसिंहपुरा में मकान में भीषण आग, घरेलू सामान जलकर राख

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

नीमराणा के जनकसिंहपुरा गांव में रविवार शाम करीब 3:15 बजे एक मकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही घर में रखा फर्नीचर, बिस्तर और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया। आग की लपटें तेजी से उठने लगीं तो ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। नीमराणा फायर स्टेशन को सूचना मिलते ही दो दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। फायर ऑफिसर मेघराज यादव के नेतृत्व में टीम ने पहुंचकर रेस्क्यू शुरू किया और मकान में रह रहे किराएदारों को सुरक्षित बाहर निकाला। दमकलकर्मियों की त्वरित कार्रवाई से आग को फैलने से पहले ही काबू में कर लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार यह मकान राजेश प्रजापति का है, जो अपने नए घर में रहते हैं। पुराना मकान किराए पर दिया हुआ था। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन संभावित रूप से शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन किराएदारों को घरेलू सामान के नुकसान का सामना करना पड़ा।

हार के डर से चुनाव टाल रही सरकार: नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

बहरोड़ में रविवार को नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान जूली ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा सरकार शहरी और पंचायत चुनाव इसलिए नहीं करवा रही क्योंकि उसे अपनी हार का भय सता रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जिला अध्यक्षों की नियुक्ति में सोशल इंजीनियरिंग और जातीय संतुलन का पूरा ध्यान रखा है। जूली ने कहा कि पहली बार ऐसा हुआ है जब मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव को एक साथ बदलना पड़ा हो, जिससे सरकार की अंदरूनी स्थिति स्पष्ट हो गई है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही दिल्ली से मंत्रिमंडल बदलने की चिट्ठी आने वाली है। कार्यक्रम में संजय यादव, विकास यादव, अरविंद यादव, अमित योगी, अंकित शर्मा, गुलाबचंद प्रजापति, सत्यपाल यादव और विजयपाल यादव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। इधर नीमराणा के मोहल्लड़िया गांव में भी जूली और प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

कोटपूतली में अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया निरीक्षण, एसआईआर कार्य में तेजी के निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिले में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य इन दिनों तेजी से चल रहा है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार रविवार को अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान नरेंद्र मीणा ने कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर कार्यों का मैदानी निरीक्षण किया। उन्होंने बूथ स्तर पर चल रही गतिविधियों, घर-घर जाकर परिगणना प्रपत्रों के संग्रहण, रसीद वितरण, डिजिटलाइजेशन की गति और बीएलओ रजिस्टरों का गहन परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मीणा ने बीएलओ से संवाद करते हुए कहा कि एसआईआर प्रक्रिया लोकतंत्र की मजबूती का आधार है, इसलिए सभी प्रपत्रों का समयबद्ध संग्रहण और डिजिटलाइजेशन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने फील्ड में मौजूद बीएलओ को त्वरित गति से प्रपत्र भरवाने, सत्यापन करने और रिकॉर्ड को अद्यतन करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान मीणा स्वयं मतदाताओं के घरों पर पहुंचे और उन्हें एसआईआर प्रक्रिया की जानकारी देते हुए फॉर्म 6 और 8 के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ईएफ प्रपत्र में आवश्यक जानकारी समय पर उपलब्ध कराएं, ताकि मतदाता सूची शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित रह सके। उन्होंने कहा कि इस बार पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता मैपिंग को सटीक बनाना है, जिससे प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम शामिल हो सके। मीणा ने यह भी निर्देश दिए कि कम प्रगति वाले क्षेत्रों में तैनात कर्मचारियों और अधिकारी बीएलओ की मदद करें और डिजिटलाइजेशन कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि एसआईआर कार्य टीम वर्क पर आधारित है, ऐसे में सभी संबंधित विभागों का समन्वय आवश्यक है। इसी क्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ओमप्रकाश सहारण ने पावटा पंचायत समिति में बनाए गए डिजिटलाइजेशन केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मशीनों, रिकॉर्ड व्यवस्था और डाटा एंट्री की गति का जायजा लेते हुए ईआरओ व एईआरओ को नियमित निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। सहारण ने कहा कि प्रत्येक प्रपत्र का ऑनलाइन अपडेट समयसीमा में पूरा होना चाहिए, ताकि मतदाता सूची संशोधन के आगामी चरणों में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने बीएलओ को डिजिटलाइजेशन कार्य में आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए भी निर्देशित किया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार 23 नवंबर 2025 को शाम 4 बजे तक कोटपूतली विधानसभा में 1,54,818, विराटनगर में 1,65,311, बहरोड़ में 1,55,667 और बानसूर में 1,69,651 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलाइजेशन कार्य पूरा किया जा चुका है। यह आंकड़ा जिले में कुल एसआईआर कार्य का 66.18 प्रतिशत दर्शाता है। अधिकारियों को उम्मीद है कि आगामी दिनों में यह प्रतिशत तेजी से बढ़ेगा और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा जिले का पुनरीक्षण कार्य पूर्ण हो जाएगा। जिले में एसआईआर की प्रगति को लेकर प्रशासन सक्रिय है और नियमित फील्ड निरीक्षण किए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि टीमों की निरंतर निगरानी और जनसहयोग से मतदाता सूची पुनरीक्षण का यह चरण सफलतापूर्वक पूरा होगा।

पल्स पोलियो महाभियान का शुभारम्भ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

उपराष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का जिला स्तरीय शुभारम्भ रविवार को राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में हुआ। कार्यक्रम में विधायक हंसराज पटेल ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिये पोलियो की दो बूंदें अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अभिभावकों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए। सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने बताया कि जिले में 1635 बूथ स्थापित किए गए हैं और इस बार 1,57,000 बच्चों को खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान की निगरानी के लिये 195 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। सोमवार को टीमें डोर-टू-डोर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाएँगी। अभियान के सफल संचालन के लिये जिला स्तर पर मॉनिटरिंग टीमें भी गठित की गई हैं। कार्यक्रम में आरसीएचओ डॉ. अरविन्द अग्रवाल, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. प्रमोद सिंह भदौरिया, डॉ. जयभगवान यादव, पीएमओ डॉ. पुष्कर राज गुर्जर, डीएनओ रविकान्त जांगिड़ और अस्पताल स्टाफ मौजूद रहा।

क्षतिग्रस्त राइजिंग लाइन से गंदा पानी सप्लाई, ग्रामीण परेशान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बर्ड़ोद

कस्बा क्षेत्र में बीते कई दिनों से पेयजल आपूर्ति के लिए बिछाई गई राइजिंग लाइन दर्जनों स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। टूटी पाइपलाइन से घरों तक गंदा पानी पहुंच रहा है, जिससे लोगों को पीने योग्य पानी भी नसीब नहीं हो रहा। वहीं क्षतिग्रस्त लाइनों से लगातार बह रहे पानी के कारण आम रास्तों और खेतों में जलभराव हो गया है। नालपुर क्षेत्र में किसानों की फसलें पानी में डूबने से खराब होने लगी हैं, जिससे उनका आर्थिक नुकसान भी बढ़ रहा है। नालपुर क्षेत्र के देवेंद्र यादव, राहुल कुमार, महेश, प्रदीप कुमार और बर्ड़ोद क्षेत्र के राजू, प्रेम, सुनील, अशोक, रोहिताश, राजेश कुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि समस्या की शिकायत कई बार स्थानीय कर्मचारियों और मरमत कर्मियों को दी गई, लेकिन आज तक किसी ने पाइपलाइन को दुरुस्त नहीं किया। ग्रामीणों ने एसडीएम को भी स्थिति से अवगत कराया, फिर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय कर्मचारी और मरमत कार्य से जुड़े लोगों का कहना है कि आवश्यक सामान उपलब्ध नहीं होने के कारण वे पाइपलाइन की मरमत नहीं कर पा रहे हैं। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि समस्या की गंभीरता को देखते हुए राइजिंग लाइन की मरमत तुरंत शुरू करवाई जाए, ताकि पेयजल सप्लाई दुरुस्त हो सके और खेतों में हो रहा नुकसान रुक सके।

बानसूर में यादव समाज ने 100 दिवसीय सुधार अभियान की रूपरेखा बनाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

बानसूर में यादव समाज ने सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने और समाज के समग्र उत्थान के लिए नई पहल की शुरुआत की है। रविवार को दांतली पहाड़ी में समाज की दूसरी बैठक आयोजित की गई, जिसमें समाज के बुजुर्गों और बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और समाज सुधार अभियान की दिशा तय करने पर विचार-विमर्श किया। बैठक में समाज ने आगामी 100 दिनों के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई। इस योजना के तहत बानसूर क्षेत्र के सभी गांवों में जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। अभियान टीम समाज में फैली बुराइयों, आपसी संघर्षों और पारिवारिक विवादों के समाधान पर चर्चा करेगी। इसका मुख्य उद्देश्य समाज को एकजुट करना और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना है। वक्ताओं ने बैठक में जोर दिया कि समाज में आंतरिक कुरीतियों को समाप्त करना अत्यंत आवश्यक है। युवाओं ने भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने का संकल्प लिया। योजना के अनुसार, प्रत्येक गांव में जागरूकता बैठकें आयोजित की जाएंगी, ताकि समाज के सभी वर्गों को इस अभियान में शामिल किया जा सके। 100 दिवसीय अभियान की समाप्ति पर बानसूर में एक बड़ी सामाजिक बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस बैठक में समाज की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन किया जाएगा और भविष्य की दिशा को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। विशेष रूप से, समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए सामूहिक फैसले लेने की तैयारी की जा रही है। यादव समाज की यह पहल सामाजिक एकजुटता और सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। समाज में सकारात्मक बदलाव और सहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए इस अभियान से उम्मीद जताई जा रही है।

दौलतसिंहपुरा में हाई टेंशन लाइन टूटी, ग्रामीणों ने जताया विरोध

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

दौलतसिंहपुरा गांव की ढाणी नया कुआं में रविवार शाम हाई टेंशन लाइन का तार अचानक टूटकर जमीन पर गिर गया। हादसे के समय आसपास कोई व्यक्ति या पशु मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा दुर्घटना होने से बच गई। लेकिन घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने विद्युत विभाग की लापरवाही के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रामीण वेदप्रकाश सैनी के नेतृत्व में मौके पर पहुंचे और आरोप लगाया कि हाई टेंशन लाइन लंबे समय से आबादी क्षेत्र से होकर गुजर रही है। कई बार प्रशासन व विभाग को ज्ञापन देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि लाइन जर्जर होने के कारण हादसे की आशंका बढ़ती जा रही है। घटना के बाद विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और लाइन कटवाकर बिजली सप्लाई बंद कर दी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक हाई टेंशन लाइन को आबादी क्षेत्र से शिफ्ट नहीं किया जाता, तब तक इसे दोबारा जोड़ने नहीं दिया जाएगा। प्रदर्शन में रमेश चंद, हंसराज, समुंदर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सुरेंद्र, विक्रम, मनोज, विजय सिंह, विमला देवी, कमला देवी, संगीता, शर्मिला, सुमन देवी, सरिता, शशि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

निर्माण कार्य धीमा, छात्र और शिक्षक असुविधाओं का कर रहे सामना

वॉइस ऑफ नीमराणा

नीमराणा में राजकीय महाविद्यालय का नया भवन निर्माण धीमी गति से चलने के कारण चौथे सत्र में भी पूरा नहीं हो पाया है। करीब 3.70 करोड़ रुपए की लागत से ज्ञानीनाथ आश्रम रोड पर 8 बीघा जमीन में बन रहा दो मंजिला भवन फरवरी 2024 तक तैयार होना था, लेकिन अब भी केवल ढांचे के रूप में खड़ा है। प्लास्टर, फर्श, विद्युत और अन्य आंतरिक कार्यों में अभी समय लगेगा। निर्माण में देरी के चलते कॉलेज के 200 से अधिक विद्यार्थियों को कस्बे से 7 किलोमीटर दूर माजरी कलां के राजकीय विद्यालय में ही पांच कमरों में पढ़ाई करनी पड़ रही है। जगह की कमी के कारण छात्रों और शिक्षकों दोनों को असुविधा उठानी पड़ रही है। निर्माण कार्य प्रभावित होने पर ठेकेदार साइट इंचार्ज भूपेंद्र सिंह ने बताया कि भुगतान संबंधी दिक्कतों के कारण गति धीमी रही, लेकिन अब लेबर बढ़ाकर काम तेज किया जा रहा है। वहीं पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता महेंद्र यादव ने कहा कि उनके कार्यकाल में निर्माण में तेजी लाई गई है और ढिलाई बरतने पर ठेकेदार को नोटिस दिया गया है। उनका कहना है कि दो से ढाई माह में भवन कॉलेज को हैंडओवर कर दिया जाएगा। सरकारी स्वीकृति और बजट मिलने के बावजूद बार-बार देरी होने से कॉलेज का संचालन लगातार प्रभावित हो रहा है। भवन तैयार होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकेंगे और शिक्षा स्तर भी मजबूत होगा।

ग्राम पंचायत पुनर्गठन में दाधिया की अनदेखी पर ग्रामीणों में आक्रोश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा शाहजहांपुर

क्षेत्र के दाधिया गांव में ग्राम पंचायत पुनर्गठन को लेकर नाराजगी बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि जनसंख्या, मतदाता संख्या और भौगोलिक स्थिति के आधार पर दाधिया बड़ा गांव होने के बावजूद यहां की अनदेखी कर गादली को ग्राम पंचायत मुख्यालय घोषित कर दिया गया है। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। दाधिया गांव के राजेंद्र प्रसाद यादव, पंच रोहिताश सिंह, रामहेत सिंह, सूबेदार अनूप सिंह, महावीर सिंह, रतनलाल, महिपाल, श्रीचंद, रविदेव, सुरेंद्र सिंह, जसवंत सिंह, मातादीन और महेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण चौपाल पर एकत्रित हुए और इस निर्णय का विरोध किया। ग्रामीणों ने बताया कि 7 अप्रैल 2025 को जारी अधिसूचना में दाधिया को ही मुख्यालय दर्शाया गया था और यह सार्वजनिक सूची में भी प्रदर्शित था। लेकिन 20 नवंबर 2025 को प्रकाशित नई अधिसूचना में गादली को मुख्यालय बना दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि दाधिया के 1350 मतदाताओं की तुलना में गादली में केवल 1050 मतदाता हैं। ऐसे में छोटे गांव को प्राथमिकता देना जनभावनाओं के विपरीत है। ग्रामीणों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, पंचायतीराज मंत्री और जिला प्रशासन से हस्तक्षेप कर दाधिया को ही ग्राम पंचायत मुख्यालय बनाए जाने की मांग की है।

पंचायती राज और नगरीय निकायों का परिसीमन जन-भावनाओं के अनुरूप किया गया संपादित- संसदीय कार्य मंत्री

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर सर्किट हाऊस में जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाएं सुनी और अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा भी साथ रहे। पटेल ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पंचायती राज और नगरीय निकायों का परिसीमन जन-भावनाओं के अनुरूप संपादित किया गया है। उन्होंने कहा शासन और प्रशासन की बेहतर पहुँच सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार ने लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की भावना को प्राथमिकता दी है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा परिसीमन की प्रक्रिया स्थानीय आवश्यकताओं, भौगोलिक परिस्थितियों और क्षेत्रीय विषमताओं को ध्यान में रखकर पूरी की गई है। उन्होंने कहा परिसीमन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों के अनुसार स्थानीय विकास की इकाइयों के पुनर्गठन हो, जिससे आमजन से जुड़े कार्य घर के निकट आसानी से संपादित किए जाएं। उन्होंने कहा छोटी पंचायतों से योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से होगा। पटेल ने कहा आमजन की राय, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के सुझाव और स्थानीय परिस्थितियों का व्यापक आकलन कर नई सीमाओं के निर्धारण किया गया है।

दूसरा टेस्ट : मुथुसामी, यानसन की अच्छी बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने बनाये 489 रन

-भारत ने बिना किसी नुकसान के 9 रन बनाये

गुवाहाटी (एजेंसी)। सेनुरन मुथुसामी के शतक और मार्को यानसन के अर्धशतक से दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 489 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 9 रन बना लिए थे। स्टंप के समय केएल राहुल 2 और यशस्वी जायसवाल 7 रन पर खेल रहे थे।

इससे पहले कुलदीप यादव ने यानसन 93 को आउट कर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का 489 के स्कोर पर अंत कर दिया। कुलदीप ने 152वें ओवर की पहली गेंद पर यानसन को आउट कर दिन का अपना यह पहला विकेट लेकर मेहमान टीम की पारी 489 रन पर समेट दी। यानसन ने 91 गेंदों में सात छक्के मारे और छह चौके लगाते हुए 93 रनों की पारी खेली। वहीं कुलदीप ने चार विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले।

मोहम्मद सिराज ने सेनुरन मुथुसामी को आउट किया। मुथुसामी ने 206 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए 109 रनों की पारी खेली। वहीं जसप्रीत बुमराह ने साइमन हार्मर को पांच रन पर आउट कर दिया। पहले सत्र में, सेनुरन मुथुसामी और काइल वेरेन की जोड़ी ने सातवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े। जडेजा ने काइल वेरेन को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। काइल वेरेन ने 122 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 45 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्कर यानसन ने सेनुरन मुथुसामी के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। इस दौरान सेनुरन मुथुसामी ने अपना शतक और मार्कर यानसन ने तेज बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपना अर्धशतक लगाया।

भारतीय महिला टीम ने जीता दृष्टिबाधित टी20 क्रिकेट विश्व कप

कोलंबो (एजेंसी)। भारत ने टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप फाइनल में रविवार को यहां के पी सारा ओवल मैदान में नेपाल को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन है। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रनों पर रोक दिया और फिर महज 12 ओवरों में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत का इस मैच पर दबदबा इतना था कि नेपाल की टीम अपनी पारी में केवल एक चौका ही लगा सकी। फुला सरेन नाबाद 44 रनों की पारी के साथ भारत की सर्वोच्च स्कोरर रही। भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था। सह-मेजबान श्रीलंका शुरुआती चरण के पांच मैचों में सिर्फ एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) ही जीत सका।

पाकिस्तान की बी3 (आंशिक रूप से दृष्टिबाधित) खिलाड़ी मेहरीन अली छह टीमों के टूर्नामेंट में सबसे सफल बल्लेबाज रही। उन्होंने 600 से अधिक रन बनाए, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 78 गेंदों में खेली गई 230 रनों की पारी भी शामिल है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 133 रनों की पारी खेली थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित , राहुल कप्तानी संभालेंगे

-तिलक और ऋतुराज शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए रविवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को मिली है। वहीं नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न के कारण शामिल नहीं किये गये हैं। श्रेयस अय्यर भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर है।

टीम में तिलक वर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ को भी शामिल किया गया है। दक्षिया अफ्रीका-ए के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी के कारण ऋतुराज को टीम में जगह मिली है। वहीं तिलक को भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में शानदार बल्लेबाजी के कारण एकदिवसीय में जगह दी गयी है। ऋतुराज ने भारत के लिए 6 और तिलक ने 4 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं. ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत भी एकदिवसीय दल में शामिल हैं। 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी रखा गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, और अक्षर पटेल को टीम में जगह नहीं मिली है।

टीम इस प्रकार है - केएल राहुल (कप्तान/विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, ऋतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ध्रुव जुरेल.

सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में होना है। दूसरा 3 दिसंबर को रायपुर में और तीसरा 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा।

इंग्लैंड टीम आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी : मैकुलम

पर्थ (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भी उनकी टीम अपनी आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी। पहले टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही कई पूर्व क्रिकेटरों ने टीम की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। इंग्लैंड की टीम पहले मैच में केवल दो दिनों में ही हार गयी। जिससे यह 1921 के बाद एशेज का सबसे छोटा टेस्ट बन गया। दूसरे दिन की शुरुआत में इंग्लैंड टीम अच्छी स्थिति में थी पर कुछ समय में ही मैच पलट गया। दूसरे दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 123 रन था, कप्तान बेन स्टोक्स की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया 132 रनों पर ही आउट हो गयी। मेहमान टीम ने 40 रन की बढ़त ली, जिससे वह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अच्छी स्थिति में आ गयी थी। पर अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल करने की स्थिति में आ गए।

इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की जिससे उन्हें 9 विकेट शेष रहते 105 रन की बढ़त मिल गई पर बाद में उसकी बल्लेबाजी ढ़ह गयी। टीम ने 18.2 ओवर के अंदर अपने बचे हुए सभी विकेट खो दिए और अच्छी शुरुआत के बाद केवल 99 रन ही बना पायी। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को केवल 205 रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए ट्रैविस हेड ने केवल 83 गेंदों पर ही 123 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी। पहला टेस्ट हारने के बाद मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि टीम की हार से वह निराश जरुर हैं पर इंग्लैंड पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और वह दूसरे ब्रिस्बेन टेस्ट पर ध्यान देगा। मैकुलम ने कहा, हम कुछ समय से चीजों पर बहुत ज्यादा प्रतिक्रिया देने से बचने का प्रयास कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इससे दुख होगा और इससे केवल हमें ही नहीं, बल्कि हमारी टीम का समर्थन करने वाले सभी लोगों को परेशानी होगी। हमारे लिए, यह जरुरी है कि हम अपने आत्मविश्वास और अपने भाईचारे को बनाये रखें। हम जानते हैं कि जब हम अपना बेहतर प्रदर्शन देते हैं, तो हम एक बहुत अच्छी क्रिकेट टीम होते हैं। अब हमारे पास अगले 10 से 12 दिनों के लिए काफी समय है इससे हम यह तय सकें कि जब हम ब्रिस्बेन में जीत हासिल कर सके। मैकुलम ने कहा कि वे चार दिसंबर से गाबा में होने वाले अगले चार टेस्ट मैचों में अपनी आक्रामक रणनीति से पीछे नहीं हटेंगे।

हॉकी इंडिया ने किया बड़ा ऐलान, पुरुष जूनियर विश्व कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा की

मदुरै । हॉकी इंडिया ने 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक यहां होने वाले पुरुष जूनियर विश्व कप के मैच देखने के लिए रविवार को मुफ्त टिकटों की घोषणा की। इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी, जिससे यह जूनियर विश्व कप के इतिहास का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बन जाएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'मुफ्त टिकट की पेशकश करके हमारा उद्देश्य तमिलनाडु और उसके बाहर के छात्रों, युवा खिलाड़ियों, परिवारों और हॉकी प्रेमियों के लिए दरवाजे खोलना है।' विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्चुअल फ्री टिकट टिकटजीनी वेबसाइट या हॉकी इंडिया ऐप से बुक किए जा सकते हैं।

ऋषभ को अंपायरों ने दी चेतावनी, फिर हुई गलती तो भारतीय टीम पर लगेगा जुर्माना

गुवाहटी (एजेंसी)। यहां जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अंपायरों ने दूसरी बार भारतीय टीम के कप्तान ऋषभ पंत को चेतावनी दी है। ऐसे में अब अगर ऋषभ फिर से गलती करते हैं तो भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया जाएगा। अंपायरों ने ओवरों के बीच तय समय से ज्यादा समय लेने के लिए कप्तान को चेताया है। धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे ऋषभ को ये चेतावनी दी है। ऋषभ को दूसरी चेतावनी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने 88वें ओवर के शुरू होने से पहले दी। इसका कारण ये है कि जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के ओवर के बीच कप्तान ने फील्डिंग जमाने में अधिक समय लगा दिया था। ऐसे में अगर कप्तान फिर से टाइम खराब करते हुए पाये जाते हैं तो उन पर 5 रन का जुर्माना लगाया जा सकता है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खाते में ये रन जुड़ जाएंगे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाये थे। उसे शीर्ष बल्लेबाजों एडन मार्करम, रायन रिकल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और टेंबा बावुमा सभी ने अच्छी शुरुआत की हालांकि कोई वे बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

हेड की पारी देखकर शास्त्री को याद आया 2023 एकदिवसीय विश्वकप

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने एशेज सीरीज के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज ट्रैविस हेड की जमकर प्रशंसा की है। इसी के साथ ही शास्त्री ने साल कप 2023 के एकदिवसीय विश्वकप फाइनल को भी याद किया जब हेड के कारण ही भारतीय टीम के हाथ से खिताब निकल गया था। शास्त्री ने कहा कि जैसा हेड ने भारत के खिलाफ किया था वैसा ही उसने अब इंग्लैंड से किया है। हेड ने एक ऐसी पारी पर्थ में खेली, जिसे इंग्लैंड की टीम कई साल तक भूल नहीं पायेगी। दूसरे ही दिन एक ही सत्र में हेड ने शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। शास्त्री ने सोशल मीडिया में लिखा, ' हेड दो साल पहले आपने मेरे देश को शांत करा दिया था और आज, आपने फिर से वही इंग्लैंड के खिलाफ खेल के सबसे बड़े प्रारुप में किया है। आक्राम अंदाज़ में, एक शानदार पारी खेली।' हेड को लेकर शास्त्री ने विश्व कप 2023 फाइनल में खेली गई पारी को भी याद किया , जब उन्होंने अपनी टीम को कठिन हालातों में से निकालकर जीत दिला दी थी। हेड की पारी के कारण ही लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर हार का सामना करना पड़ा था।

लक्ष्य ने जापान के तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

सिडनी(एजेंसी)। भारत के लक्ष्य सेन ने यहां खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट को जीत लिया है। लक्ष्य ने 475,000 लाख डॉलर की इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जापान के 26 वर्षीय युशी तनाका को फाइनल में 21-15, 21-11 से हराया। ये मुकाबला 38 मिनट ही चला। लक्ष्य ने तनाका को सीधे गेमों में हराकर पिछले कुछ समय से मिल रही असफलता को पीछे छोड़ दिया है। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भी लक्ष्य पिछले कुछ समय में सफल नहीं रहे थे पर इस जीत से तय है कि उन्होंने एक बार फिर लय हासिल कर ली है।

लक्ष्य ने जापान के तनाका पर मिली जीत के बाद कानों में उंगलियां डालकर जश्न मनाया। इससें अंदाजा होता है कि ये खिताब उनके लिए कितना अहम है। इस जीत के साथ लक्ष्य ने लगभग दो साल बाद सुपर 500 स्तर पर ट्रॉफी जीती है। इससे पहले उन्होंने 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल (सुपर 300) जीता था पर कनाडा ओपन के बाद से ही वह किसी बड़े टूर्नामेंट में शीर्ष पर नहीं पहुंच पाए थे।

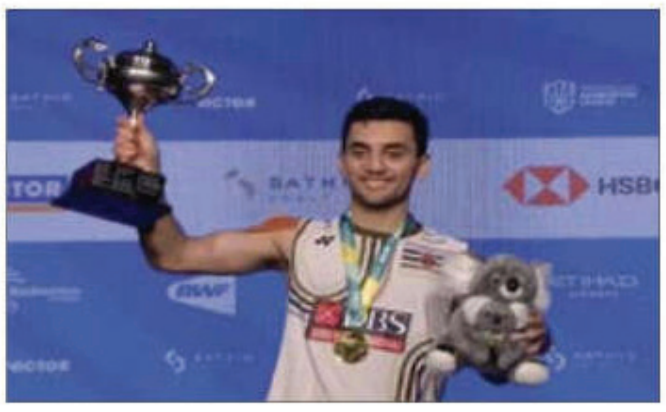

इस सत्र में विश्व टूर जीतने वाले लक्ष्य सेन केवल दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपर सुपर 300 में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी इस साल कई फाइनल तक पहुंचे वहीं जबकि किदांबी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे। ऐसे में लक्ष्य की यह जीत भारतीय बैडमिंटन में उर्जा का संचार करेगी।

फाइनल में लक्ष्य ने आक्रामक और संयमित खेल दिखाकर अपनी बढ़त बनाये रखी। 6-3 की शुरुआती बढ़त के बाद उन्होंने जापानी विरोधी की लगातार गलतियों का लाभ उठाया। इस दौरान दर्शकों ने भी उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने तनाका को रैलियों में बांधे रखा, जिससे विरोध खिलाड़ी का संभलने का अवसर ही नहीं मिला।

दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपना स्तर और ऊपर उठाया। तेज़ रिएक्शन, धारदार ड्राइव से दबाव बनाये रखा।

वहीं जापनी खिलाड़ी गलतियों करते हुए संभल नहीं पाये।

मुशफिकुर रहीम का शतक, बांग्लादेश ने आयरलैंड को श्रृंखला में किया क्लीन स्वीप

मीरपुर (बांग्लादेश) । मुशफिकुर रहीम ने अपने 100वें टेस्ट में शतक जड़ा जिससे बांग्लादेश ने आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 217 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। मुशफिकुर ने पहली पारी में 106 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में नाबाद 53 रन की पारी खेली जिससे उन्होंने मैच में कुल 159 रन बनाए जबकि लिटन दास ने 128 रन की शतकीय पारी खेली। इससे मेजबान टीम ने पहली पारी में 476 रन बनाए। आयरलैंड के ऑफ-स्पिनर एंडी मैकब्राइन ने 109 रन पर छह विकेट झटककर बांग्लादेश को 500 रन से पहले ही रोक दिया। लेकिन ताइजुल इस्लाम ने दोनों पारियों में 76 और 94 रन देकर चार चार विकेट झटके। इससे वह 250 टेस्ट विकेट तक पहुंचने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बन गए। आयरलैंड की टीम पहली पारी में 265 रन पर सिमट गई। लेकिन बांग्लादेश ने फॉलो-ऑन नहीं दिया। दूसरी पारी में शादमान इस्लाम (78) और महमूदुल हसन जॉय (60) ने मिलकर 119 रन की भागीदारी निभाई। इसके बाद मोमिनुल हक ने 87 रन बनाए जिससे बांग्लादेश ने चार विकेट पर 297 रन पर पारी घोषित कर दी। अब आयरलैंड को जीत के लिए 509 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला। आयरलैंड की जोड़ी हैरी टेक्टर (50) और कर्टिस कैंपर (नाबाद 71 रन) ने डटे रहकर मैच को पांचवें दिन तक पहुंचाया। लेकिन उसकी दूसरी पारी 291 रन पर खत्म हुई। बांग्लादेश ने पहला मैच पारी और 47 रन से जीता था। दोनों टीमें अब 29 नवंबर से चटगांव में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेंगी।

पिता को दिल का दौरा पड़ने से स्मृति मंधाना की शादी टली

इंदौर । भारतीय महिला क्रिकेर स्मृति मंधाना के पिता को दिल का दौरा पड़ने से स्मृति और उनके मंगेतर पलाश मुच्छल की शादी टल गई है। सांगली में मंधाना के फॉर्म हाउस पर शादी समारोह चल रहा था। इसी बीच ही मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना को दिल का दौरा पड़ गया जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनका ईलाज जारी है। वहीं मंधाना के बिजनेस मैनेजर तुहिन मिश्रा ने उनके पिता के हार्ट अटैक की पुष्टि की है। वहीं शुरुआत में कहा जा रहा था कि शादी में आए किसी मेहमान को दौरा पड़ा है पर बाद में पता चला कि मंधाना के पिता की ही तबियता खराब थी। तुहिन ने मंधाना के पिता की तबीयत को लेकर कहा, 'आज सुबह नाश्ता करते समय मंधाना के पिता की तबीयत खराब हो गई। हमने थोड़ी देर इंतजार किया, लेकिन जब लगा कि हालत बिगड़ती जा रही है तो लिए एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल ले गए. अभी वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'स्मृति अपने पिता के बहुत करीब हैं। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्होंने फैसला किया कि जब तक उनके पिता ठीक नहीं हो जाते तब तक यह शादी स्थगित रहेगी।'

गिल टी20आई सीरीज से हो सकते हैं बाहर, वनडे में इस खिलाड़ी को मिलेगी कप्तानी

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी चिंता उभरकर सामने आई है, क्योंकि युवा स्टार बल्लेबाज़ शुभमन गिल के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज में खेल पाने की उम्मीद अब बेहद कम हो गई है। ईडन गार्डन्स टेस्ट के दौरान हुई गर्दन की गंभीर ऐंठन के बाद गिल को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था, जिसके बाद उनकी चोट पहले से अधिक गंभीर पाई गई। अब खबरें साफ इशारा कर रही हैं कि गिल दिसंबर की टी20आई सीरीज में भी वापसी नहीं कर पाएंगे और नई रिपोर्ट्स के मुताबिक वे अब अगले साल ही मैदान पर लौट सकते हैं।

गिल की गर्दन की चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर

कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान शुभमन गिल को अचानक गर्दन में तेज़ दर्द और अकड़न महसूस हुई, जिसके चलते उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया और बाद में अस्पताल में भर्ती किया गया। शुरुआती अंदाज़े में इसे मामूली ऐंठन माना जा रहा था, लेकिन स्कैन रिपोर्ट्स ने चोट को अधिक गंभीर बताया। इसी कारण गिल को टेस्ट टीम से औपचारिक रूप से रिलीज़ कर दिया गया, और अनुमान लगाया गया कि वे व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। लेकिन ताज़ा रिपोर्ट्स के अनुसार, ऐसा होना अब मुश्किल है।

दक्षिण अफ्रीका टी20आई सीरीज में नहीं खेल पाएंगे गिल

द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20आई सीरीज में गिल का खेलना लगभग असंभव माना जा रहा है। गिल को लगातार इंजेक्शन लग रहे हैं, वे नियमित रूप से स्पाइनल कंसल्टेंट्स के संपर्क में हैं, चोट की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल टीम और चयनकर्ता कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, इसलिए, टीम मैनेजमेंट चाहता है कि गिल जल्दबाज़ी में वापसी न करें, ताकि लंबे समय तक चलने वाली चोट का खतरा न बढ़े। माना जा रहा है कि गिल अब अगले वर्ष ही मैदान पर लौटेंगे।

ODI सीरीज की कप्तानी को लेकर चयनकर्ताओं की चुनौती

गिल के बाहर होने से चयनकर्ताओं के सामने नई मुश्किल खड़ी हो गई है, साउथ अफ्रीका के खिलाफ ODI टीम का कप्तान कौन होगा? इसी बीच, श्रेयस अय्यर भी ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी स्प्लीन इंजरी से अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। ऐसे में भारत को एक भरोसेमंद कप्तान की ज़रूरत है जो टीम को संभाल सके और गिल-अय्यर की गैर-मौजूदगी में स्थिरता ला सके।

केएल राहुल की कप्तान के रूप में वापसी लगभग तय

सूत्रों के अनुसार, केएल राहुल की ODI कप्तान के रूप में वापसी अब लगभग पक्की मानी जा रही है। भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका ODI सीरीज 30 नवंबर से शुरू होगी राहुल इससे पहले भी 12 ODI में टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं। उनका पहला कप्तानी असाइनमेंट जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ही था। दिलचस्प बात यह है कि राहुल की पिछली ODI कप्तानी भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ थी, और अब दो साल बाद वे फिर उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ही कप्तान की भूमिका में उतरने की तैयारी कर रहे हैं।

टीम इंडिया के लिए आगे की राह

गिल की चोट और प्रयोगात्मक कप्तानी से टीम की बल्लेबाज़ी बैलेंस पर असर पड़ सकता है। हालांकि, टीम मैनेजमेंट उम्मीद कर रहा है कि दिसंबर सीरीज तक नए चेहरे, अनुभवी खिलाड़ियों के साथ मिलकर संतुलित प्रदर्शन करें। टीम को अब गिल की फिटनेस से ज्यादा उनके दीर्घकालिक करियर को सुरक्षित रखना है, इसलिए यह ब्रेक भविष्य के लिए आवश्यक माना जा रहा है।

नम्बर 8 पर आए ईनान की शतकीय पारी, भारत ए अंडर-19 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल के करीब

बेंगलुरु । आठवें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आए हरफनमौला मोहम्मद ईनान की नाबाद शतकीय पारी के दम पर भारत ए अंडर-19 ने रविवार को यहां भारत बी अंडर-19 को 26 रन से हराकर तीन देशों की श्रृंखला के फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। लेग स्पिन गेंदबाजी करने वाले केरल के इस युवा खिलाड़ी ने 74 गेंदों में 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 105 रनों की पारी खेली। उनकी इस पारी से भारत ए अंडर-19 ने 18 ओवर में 68 रन पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद के सात विकेट पर 267 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। ईनान ने छठे विकेट के लिए खिलान पटेल (37) के साथ 34 रन की साझेदारी करने के बाद अनमोलजीत सिंह (नाबाद 30) के साथ सातवें विकेट के लिए 135 रन की अटूट साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत बी अंड-19 की टीम 47.2 ओवर में 243 रन पर आउट हो गयी। आदित्य रावत (34 रन पर चार विकेट) और मोहम्मद मलिक (49 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने भारत बी की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। भारत बी के लिए विकेटकीपर हरवंश पंगालिया ने 113 गेंद में 99 रन की पारी खेली। उन्होंने जगनाथन हेमचूडशन (45) के साथ छठे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज अमव बग्गा ने भी 49 रन का योगदान दिया। टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार के साथ भारत बी की टीम फाइनल में पहुंचने की दौड़ से लगभग बाहर हो गयी है।

पहले प्रेमजाल फिर दुष्कर्म का आरोप का फंडा!

3 महिलाओं के हनी ट्रैप के जाल का हुआ पर्दाफाश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

जिले के नीमकाथाना इलाके के पाटन पुलिस ने हनीट्रैप मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए बावरिया गैंग की तीन महिलाओं समेत छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपी लोगों को दुष्कर्म का झूठा मामला दर्ज कराने की धमकी देकर उनसे पैसे ऐंठते थे। पाटन थानाधिकारी रमेश मीणा क मुताबिक , यह गिरोह सुनियोजित तरीके से लोगों को प्रेमजाल में फंसाता था। इसके बाद, दुष्कर्म का झूठा मामला दर्ज कराने की धमकी देकर उनसे मोटी रकम वसूलता था। जांच में सामने आया है कि आरोपी अपने गिरोह के अन्य सदस्यों के माध्यम से पीड़ितों से रुपयों की मांग करते थे। थानाधिकारी के मुताबिक, इस गिरोह ने पाटन थाना क्षेत्र के ई-मित्र संचालक अनुज को अपना शिकार बनाया था। अनुज ने 21 नवंबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी उसे बार-बार फोन कर प्रेमजाल में फंसाने और दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर दो लाख रुपए की मांग कर रहे थे। पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज आरोपियों की तलाश शुरू की।जिस पर पुलिस ने दबिश देकर गेम के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया जिनमें तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल है। थानाधिकारी रमेश मीणा ने बताया कि आरोपी अशोक, सुमन, ओमप्रकाश, सुमेर, नारायणी देवी, कौशल्या देवी को दस्तयाब किया जाकर बाद अनुसंधान प्रकरण में गिरफतार किया गया है। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ में जुटी हुई है।

लेपर्ड ने 87 साल के बुजुर्ग की आंख नोचीः सिर फाड़ा, पीठ पर झपटा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा राजसमंद

खेत पर बैठे 87 साल के बुजुर्ग पर घात लगाए लेपर्ड ने हमला कर दिया। झाड़ियों में बैठा लेपर्ड अचानक के सिर पर टूट पड़ा। चेहरे पर पंजे मारे, मुंह नोच लिया और सिर फाड़ डाला। हमले में लेपर्ड ने बुजुर्ग की आंख नोच डाली। छटपटाते बुजुर्ग ने शोर मचाया तो लेपर्ड भाग निकला। करीब आधे घंटे बाद जब बेटा खेत पहुंचा तो पिता को खून से सने तड़पते देख सन्न रह गया। तुरंत अपने भाइयों को कॉल कर बुलाया और हॉस्पिटल ले गए। इसके बाद प्राथमिक उपचार के बाद बुजुर्ग को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। किशन कीर ने बताया- रोजाना की तरह पिता जगरूप कीर सुबह खेत पर गए थे। इस दौरान कृषि कार्य करने के बाद वे खेत में बैठे थे। इस दौरान खेत के पास झाड़ियों में लेपर्ड ने अचानक उनके चेहरे पर हमला कर दिया। सिर के पीछे और चेहरे को नोच डाला। आंख पर पंजा मार आंख ही फाड़ दी। पिता ने शोर मचाया तो लेपर्ड वहां से भाग निकला। इसके बाद करीब 8:30 बजे मैं खेत पर पहुंचा तो वहां पिता जमीन पर पड़े कराह रहे थे। उनका चेहरा खून से सना था और कपड़े भी खून में हो गए थे। किशन कीर ने बताया- मैंने तुरंत अपने भाई बालू कीर और सोहन कीर को सूचना दी। दोनों भाई आए और हम मिलकर पिता को राजसमंद के आरके हॉस्पिटल ले गए। इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टरों के अनुसार, जगरूप पर लेपर्ड ने सिर, पीठ और शरीर के आगे हिस्सों पर गहरे घाव किए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए बुजुर्ग को उदयपुर रेफर कर दिया गया है। लेपर्ड के हमले से बुजुर्ग के शरीर पर 10 जगह घाव हुए हैं। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि इलाके में पिछले कुछ दिनों से लेपर्ड की आवाजाही बढ़ गई है, लेकिन वन विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों ने पिंजरा लगाकर लेपर्ड को पकड़ने और गांव पर मंडरा रहे खतरे को खत्म करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई तो बड़ा हादसा हो सकता है। फिलहाल गांव में लोगों में लेपर्ड का भय बना हुआ है।

व्यापारी को फिरौती के लिए धमकाने का आरोपी गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

सीकर जिले में व्यापारी को धमकाने मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार किया तो आरोपी दोनों हाथों से मुंह छुपाने लगे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर सख्त पूछताछ शुरू कर दी है। सेवद बड़ी निवासी व्यवसायी ने 17 नवंबर को शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि 15 और 16 नवंबर को रोहित गोदारा व नवीन बॉक्सर के उसके व्हाट्सएप नंबर पर वॉयस रिकॉर्डिंग भेजकर फिरौती मांगी। फिरौती नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। इस पर पुलिस ने टीम गठित कर जांच शुरू की थी। एक आरोपी पीड़ित व्यापारी के ट्रक ड्राइवर की नौकरी कर चुका है। एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने बताया- मामले की जानकारी मिलने के बाद 4 टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने सीकर, बीकानेर व चूरू जेल से पिछले 2 सालों में जमानत पर रिहा हुए अपराधियों की जानकारी जुटाई। एसपी नूनावत ने बताया- पुलिस की एक टीम को सीकर की खुली जेल से वर्ष 2022 में आजीवन कारावास की सजा भुगत कर रिहा हुए अपराधी सुरेंद्र बांगड़वा के बारे में जानकारी तो पता चला कि वह पीड़ित व्यापारी के ट्रक ड्राइवर की नौकरी कर चुका है। अपराधी सुरेंद्र 2009 में चूरू जिले के सालासर थाना इलाके में एक हत्या करके रतनगढ़ और बीकानेर जेल में आजीवन कारावास की सजा काट चुका था। दोनों आरोपियों से जुड़ी कड़ी जोड़कर अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। इसके अलावा खाटूश्यामजी के व्यापारी के धमकी प्रकरण से जुड़े कनेक्शन को भी खंगाला जा रहा है। एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने बताया- पुलिस टीम को शक हुआ तो अपराधी सुरेंद्र के साथ जेल में रहे अपराधियों के रिकॉर्ड निकाले गए।

राजस्थान में जानलेवा बन रहा अवैध बजरी खनन, एक्शन के बाद भी बदमाश हो रहे बेखौफ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा राजसमंद

राजस्थान के राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ के पास भेड़ो का गढ़ से निकलने वाली बनास नदी राजसमंद चित्तौड़गढ़ भीलवाड़ा और टोंक के ग्रामीणों के साथ-साथ किसानों के लिए जीवनदायिनी नदी थी। मगर, अब यह अवैध बजरी माफिया के लिए ऐसा मुफीद क्षेत्र बन गई है कि इन क्षेत्रों के सुदूर थानों में जहां कोई पुलिस अधिकारी और पुलिसकर्मी जाना पसंद नहीं करता थे, आज उन लोगों की पहली पसंद यह थाने बन चुके हैं। अवैध बजरी परिवहन से समाज में अनैतिक तरीकों से धनाढ्य बनने की लगी होड से एक असंतुलन पैदा हो गया है। भीलवाड़ा के सदर थाना क्षेत्र में कोठारी नदी में अवैध बजरी खनन करते समय दो मजदूरों की मौत के बाद भीलवाड़ा जिले के काछोला थाना क्षेत्र ने एक्शन लिया। अवैध बजरी परिवहन पर थानाधिकारी बालकिशन शर्मा ने कार्रवाई करते हुए यहां रूपारेल गांव के पास अवैध बजरी से भर दो ट्रैक्टर ट्राली पकड़े मगर एक ट्रैक्टर ट्रॉली मे चालक अंधेरे फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों का पीछा किया लेकिन कामयाबी नहीं मिली। बाद में पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रैक्टरों को जप्त तो किया है। मगर सबसे बड़ा सवाल है कि इस क्षेत्र के राजगढ़, उमेदपुरा कटारिया का खेड़ा, थला, ककरोलिया और चैनपुरा सहित जहां बनास नदी बहती है। वहां चोरी छुपे अवैध बजरी खनन आज भी वह बदस्तूर क्यों हो रहा है। नदी का प्राकृतिक स्वरूप इस अवैध बजरी खनन से नदी का प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ रहा है। यहां जगह-जगह गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जिनके शिकार नदी में नहाते समय जाने- अनजाने आम लोग हो जाते हैं। पिछले दिनों जहाजपुर बनास नदी में नहाते समय ऐसे ही हादसे के एक ट्रक चालक और क्लीनर अपनी जान गंवा चुके हैं। सबसे बड़ा दुष्परिणाम के इन क्षेत्रों का जलस्तर निरंतर गिरता जा रहा है ,जो किसानों के लिए चिंता की बात है। यह तो एक बानगी है भीलवाड़ा जिले के ही जहाजपुर शकरगढ़, हनुमान नगर, बड़लियास, बीगोद, मंगरोप, हमीरगढ़, ऐसे थाना क्षेत्र है, जहां यह काम आज भी वह बदस्तूर जारी है। इस अवैध कमाई का हिस्सा बनने के लिए अब पुलिस कर्मियों की ये जगह पहली पसंद बन चुके हैं। बड़ी बात यह है कि अकेले भीलवाड़ा जिले में ही नहीं अवैध बजरी खनन का यह अवैध कारोबार, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ और टोंक जिले में भी खूब फल फूल रहा है। भीलवाड़ा जिले में चांदगढ़ गांव में अवैध बजरी खनन के खिलाफ ग्रामीणों ने तीन हफ्ते से धरना दे रखा है। मगर इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधि ने धरने से दूरी बनाते हुए कहा कि जहां खनन हो रहा है। वहां के लोग तो मान गए, मगर हनुमान बेनीवाल के समर्थक धरना दे रहे हैं। आरएलपी नेता लादूराम गोदारा ने तो खून से पत्र लिखकर हवन भी किया। मगर अभी तक अवैध बजरी खनन के खिलाफ कोई बड़ा सुनियोजित तरीके से एक्शन होता हुआ नजर नहीं आ रहा है।

ब्यूरोक्रेसी मिलकर सीएम का पत्ता न काट देः पीएम ने कॉपी किया मेरा गमछा डांस- डोटासरा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भरतपुर

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- राज्य में सरकार कौन चला रहा है, यह पता नहीं चल रहा। सभी एक दूसरे का पत्ता काटने की बात कर रहे हैं। मुझे लग रहा है कि ब्यूरोक्रेसी ही मिलकर मुख्यमंत्री का पत्ता नहीं काट दे। मुझे लग रहा है जैसे पत्ते कट रहे, उनमें भरतपुर वालों का नंबर नहीं आ जाए। पीएम मोदी मेरी कॉपी पेस्ट कर रहे हैं। मगर वो बात नहीं है, दम नहीं है। उनका हाथ हिल नहीं रहा और गमछा भी जवाब दे गया। यह सिर्फ डोटासरा का ही काम है। उन्होंने गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- पुलिस पिट रही है। अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। गुंडे फिरौती ले रहे हैं। कुचामन और जयपुर में मर्डर हो रहे हैं। अपराधी खुलेआम धमकियां दे रहे हैं। कोई पूछने वाला नहीं है। यह खुद अपनी जान बचाकर घूम रहे हैं। जवाहर सिंह बेढम एक सिपाही का भी ट्रांसफर नहीं कर सकते। एसपी के हाथ जोड़कर एक थाने से दूसरे थाने पर करवा सकते हैं। अगर कोई सीकर का हो और उसका भरतपुर ट्रांसफर करवा दें तो मुझे बता देना। डोटासरा रविवार को एक शादी में शामिल होने के लिए भरतपुर पहुंचे थे। डोटासरा ने कहा- ये (भाजपा) थूक के चाट रहे हैं या उनकी दोहरी नीति है। 'मुंह में राम बगल में छुरी' है। बीजेपी और RSS ऐसे लोग हैं, जो कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। इनके जेहन में दूसरी बात होती है। यह लोग जनता से वादे करके बरगलाकर झूठे वादे कर सत्ता हथिया लेते हैं। बाद में भ्रष्टाचार करते हैं और जनता की सुध नहीं लेते हैं। जिला परिषद और निकाय चुनावों को लेकर डोटासरा ने कहा- बीजेपी चुनाव कराएगी या नहीं, साढ़े छह साल नगर निकाय के चुनाव हुए हो गए। सभी पंचायतों के प्रशासक लग गए। भरतपुर में कांग्रेस के प्रधान को हटाकर बीजेपी ने बड़ा खेला किया है। डेढ़ साल से जिला प्रमुख का चुनाव नहीं करवा पा रहे हैं। गठन तो तब लागू होगा, जब यह चुनाव करवाएंगे। जिला परिषद का जो गठन हुआ है, यह जब लागू होगा, जब चुनाव होंगे। यहां हो सकता है बीजेपी चुनाव न करवाए। गठन का क्या मतलब हुआ, इसके लिए हम लड़ाई लड़ रहे हैं। कोर्ट में भी हमारे लोग लड़ रहे हैं। रोजाना फैसले करवाकर लाते हैं। फिर बीजेपी कहती है भजन लाल जी की इज्जत का सवाल है। अगर जिला कलेक्टर को चार्ज दिलाकर एक जिला परिषद से इनकी इज्जत बच रही है। हालांकि अंता में सिद्ध कर दिया। 2 साल से बीजेपी कुछ नहीं कर रही। डोटासरा ने बीजेपी ऑफिस में जनता दरबार के सवाल पर कहा कि 2 साल से बीजेपी कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं हुई। वो खुद इसे स्वीकार कर रहे हैं। फिर आम जनता बीजेपी कार्यालय क्यों जाएगी? जब मंत्री हैं, प्रभारी मंत्री हैं, वह आएं और सर्किट हाउस में बैठें, पंचायत समिति में बैठें, जिला परिषद में बैठें, जिला कलेक्ट्रेट में बैठें। मीटिंग करके पूछें। जनता की सुनवाई करें। अधिकारी कलेक्टर और एसपी बड़े-बड़े नेताओं के लिए गेट नहीं खोलते तो आम जनता का क्या हाल हो रहा होगा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्तियों को लेकर कहा- संगठन सृजन AICC हाईकमान ने किया है। जमीन पर आकर कांग्रेस के नेताओं ने कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया, जो सबसे उपयुक्त पाया गया, उसको लेकर कल (शनिवार) हाईकमान ने लिस्ट जारी की है। जो जमीनी स्तर के नेता हैं और जो पार्टी हाईकमान को ठीक लगा। AICC का ऑब्जर्वर आया। उसने सभी की राय लेकर, वहां पर राय दी, उसी पर फैसला किया गया है।

पत्नी की डंडे से पीट-पीटकर हत्याः सिर पर एक के बाद एक 7 वार किए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

सीकर में पति ने पत्नी की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। खून से लथपथ पत्नी को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घटना के समय घर में पति-पत्नी ही थे। बच्चे रिश्तेदार की शादी में गए थे। मामला दादिया इलाके के बेरी गांव का शनिवार रात का है। एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने बताया- बेरी गांव निवासी अमर सिंह (56), पत्नी धाप कंवर (50), दो बेटे और एक बेटी के साथ रहता था। बेटा जितेंद्र सिंह (30), बेटी लक्ष्मी (26) और छोटा बेटा करण सिंह (23) रिश्तेदार की शादी में गए थे। शादी से वापस आए छोटे बेटे करण सिंह ने कमरे में मां का शव देखा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। छोटे बेटे ने पिता के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। बेटे करण सिंह ने बताया- पिता दिनभर घर पर ही रहते हैं। वे कुछ नहीं करते, नशे के आदी है। हत्या के समय भी पिता नशे में थे। बेटों ने बताया कि माता-पिता में रोज लड़ाई होती थी। एसआई आशुतोष ने बताया- फिलहाल हत्या के पीछे घरेलू विवाद की वजह ही सामने आ रही है। पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया है। जांच में पता चला है कि आरोपी ने महिला के सिर पर 6-7 वार किए थे।

पंचायतों के परिसीमन से राजस्थान में बवाल, बूंदी में लोगों ने जाम की सड़क, ग्रामीणों का भारी रोष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बूंदी

राजस्थान में पिछली दिनों सरकार ने पंचायतों का परिसीमन किया है. इसको लेकर कई जगह लोगों में रोष है. रविवार को बूंदी जिले में पंचायत परिसीमन को लेकर मचे विवाद के बीच छपावदा गांव के ग्रामीणों ने बड़ा विरोध प्रदर्शन किया. ग्राम पंचायत बाजड़ से हटाकर जमीतपुरा में जोड़ने के फैसले से नाराज़ ग्रामीण सुबह से ही तालेड़ा-केशोरायपाटन मुख्य मार्ग पर जमा होने लगे. कुछ ही देर में लोगों ने सड़क पर बैठकर आवागमन पूरी तरह रोक दिया और पंचायत पुनर्गठन के आदेश के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी. ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा बिना उनकी राय लिए अचानक पंचायत का पुनर्गठन कर दिया गया. छपावदा गांव वर्षों से ग्राम पंचायत बाजड़ का हिस्सा रहा है, ऐसे में अब उसे जमीतपुरा में जोड़ने से विकास कार्यों में बाधा आएगी. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नए परिसीमन से कई गांवों की दूरी बढ़ गई है. लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए भी दूर पंचायत पहुंचना पड़ेगा, जिससे समय और संसाधन दोनों की बर्बादी होगी. उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत बदलने से क्षेत्रीय योजनाओं, बजट और सुविधाओं में असमानता उत्पन्न होगी. विरोध प्रदर्शन के कारण मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं. कई यात्री घंटों तक फंसे रहे. स्कूलों की बसें, निजी वाहन, एंबुलेंस और मालवाहक गाड़ियां भी जाम में अटक गईं. कुछ चालकों ने वैकल्पिक मार्ग तलाशने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों की भीड़ के कारण वह भी संभव नहीं हो पाया. सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया. नायब तहसीलदार, पुलिस टीम और पंचायत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे. अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता शुरू की और उन्हें समझाने का प्रयास करते रहे. प्रशासन ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी आपत्तियों को जिला प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा और उचित समाधान निकाला जाएगा. हालांकि, ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे और कहा कि जब तक पुरानी पंचायत व्यवस्था बहाल नहीं होती, वे आंदोलन जारी रखेंगे. मौके पर मौजूद बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं ने एकजुट होकर साफ कहा कि पंचायत परिसीमन उनकी इच्छा और सहमति के बिना स्वीकार्य नहीं है.

किरोड़ी लाल का भीलवाड़ा में अनोखा स्वागत, बुलडोजर से फूलों की बारिश, बड़ी संख्या में उमड़े समर्थक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा रविवार को भीलवाड़ा दौरे पर थे. किरोड़ी लाल भीलवाड़ा के बरुन्दनी में शहीद जगन्नाथ मीणा की प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे थे. इस दौरान किरोड़ी लाल के स्वागत के लिए भारी संख्या में समर्थक पहुंचे. बरुन्दनी पहुंचने पर समर्थकों के द्वारा स्वागत करने के लिए जेसीबी से डॉ. मीणा पर पुष्प वर्षा की गई. इसके बाद उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में धर्मांतरण नियंत्रण कानून को सख्त कानून बनाया है. किरोड़ी लाल मीणा ने आगे कहा कि दूसरे सभी राज्यों से हमारे राज्य में सबसे ज्यादा कड़े प्रावधान किए गए हैं. अब हमारे प्रदेश में उदयपुर, डूंगरपुर और बांसवाड़ा क्षेत्र में धर्मांतरण करने वाले लोग पर भी इसका असर आएगा. धर्मांतरण करने वाले लोगों पर नकेल कसेगी. किसान और हम कभी भी नहीं सोच सकते कि खाद नकली हो सकता है, बीज भी घटिया ओर नकली हो सकता है. ऐसा पेस्टिसाइड भी बन सकता है जो किसानों की फसलों पर असर ना करें. इन तीनों चीजों पर मैंने सख्त कारवाई की. इस दौरान प्रदेश भर में नकली खाद व नकली बीज भी पकड़ा था. हमारे राजस्थान में व्यापक स्तर पर अभियान चलाया. जिसका परिणाम केंद्रीय मंत्री ने निर्णय लेते हुए सार्वजनिक रूप से घोषणा की कि किसान को उत्तम खाद, बीज व दवा मिले उस दृष्टि से सख्त कानून लाया जाएगा. मंत्री मीणा ने एसआईआर को लेकर कहा कि बिना बात राजनीतिक तूल दिया जा रहा है. विपक्ष मुद्दा बना कर देश की जनता को गुमराह करना चाहता है. आप सभी ने बिहार का परिणाम देखा है, देश की जनता चाहती है, उस मुताबिक चुनाव आयोग काम कर रहा है. एसआईआर को लेकर भ्रम फैलाने वाले चाहते हैं कि कुछ घुसपैठिये वोट डालें, एक मतदाता के कई जगह नाम है. उस फर्जी मतदाता सूची की शुद्धिकरण का काम है. नकली वोट को हटा रहे हैं, विशेष कर सीमावर्ती क्षेत्र में घुसपैठिये घुसते हैं. जैसे बंगाल से भाग रहे हैं.

डेढ़ साल में 3.40 अरब की हेरोइन ड्रोन से ड्रॉप

राजस्थान बॉर्डर पर खतरनाक पाकिस्तानी नेटवर्क सक्रिय

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा श्रीगंगानगर

निर्धारित लोकेशन पर पाकिस्तानी तस्कर तुर्की और अमेरिकन ड्रोन के जरिए हेरोइन के पैकेट

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से सटे श्रीगंगानगर जिले में ड्रोन के माध्यम से हेरोइन की तस्करी तेजी से बढ़ती जा रही है. पाकिस्तान की ओर से भेजी जा रही हेरोइन राजस्थान के इस सीमावर्ती जिले के रास्ते अन्य राज्यों तक पहुँचती है. पिछले डेढ़ साल में तकरीबन तीन अरब चालीस करोड़ रुपये की हेरोइन ड्रोन द्वारा भारतीय सीमा में ड्रॉप की जा चुकी है, जो सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है. पाकिस्तान और पंजाब के तस्कर मिलकर सीमावर्ती इलाकों के लोगों को फंसाकर हेरोइन ड्रॉप करवाने का नेटवर्क तैयार करते हैं. पंजाब के बड़े तस्कर राजस्थान के सीमावर्ती गांवों के लोगों को लालच देकर इस्तेमाल करते हैं. गिराते हैं, जो आसानी से 10 से 15 किलो वजन उठा सकते हैं और ऊंचाई पर कम आवाज में उड़ान भरते हैं. पंजाब में एंटी-ड्रोन तकनीक लागू होने के बाद तस्करी का रुख राजस्थान की सीमा हिंदुमलकोट, करणपुर, केसरीसिंघपुर और अनूपगढ़ की ओर बढ़ गया है. 2024 और 2025 में अब तक कुल 68 किलो 900 ग्राम हेरोइन विभिन्न लोकेशन पर ड्रॉप की जा चुकी है. अगस्त 2024 में अनूपगढ़ के 30 APD गांव में 3 किलो, दिसंबर 2024 में करणपुर सेक्टर में 6.5 किलो, मार्च 2025 में गजसिंहपुर व 12 चहृष्ठ में कुल 4 किलो और मई 2025 में अनूपगढ़ में पौने दो किलो हेरोइन ड्रॉप हुई है. अक्टूबर 2025 में भी करणपुर सेक्टर में 1 किलो ड्रॉप होने की पुष्टि हुई. अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक किलो हेरोइन की कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये होती है. हेरोइन के साथ-साथ ड्रोन के जरिए हथियारों की सप्लाई भी बढ़ने लगी है. हाल ही में गुजरात में पकड़े गए आतंकियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि उनके पास से बरामद हथियार हनुमानगढ़ में ड्रोन से ड्रॉप किए गए थे. दिसंबर में करणपुर सेक्टर में सीमा के पास मिले एक पैकेट से दो पिस्तौल, दो मैगजीन और सात कारतूस भी बरामद किए गए. यह घटनाएं साबित करती हैं कि यह इलाका ड्रग और हथियारों का नया कॉरिडोर बनता जा रहा है. सुरक्षा एजेंसियां इस नेटवर्क को तोड़ने के लिए लगातार प्रयासरत हैं. श्रीगंगानगर एसपी डॉ. अमृता दुहन के अनुसार, तस्करों को पंजाब से लोकल सपोर्ट मिलता है, जिससे उनका नेटवर्क सक्रिय रहता है.

बहुविवाह खत्म होगा, चाहे कोई भी समुदाय हो: सीएम हिमंत सरमा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को दो बड़े राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों- बहुविवाह और चुनावी राजनीति पर तीखे बयान दिए। उन्होंने साफ कहा कि राज्य में पॉलीगैमी (बहुविवाह) किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी, चाहे वह किसी भी समुदाय में हो। साथ ही कांग्रेस पर भी चुनावी टिकट के लिए धन उगाही और मियां-बहुल सीटों पर निर्भरता का आरोप लगाया। पत्रकारों से बातचीत में

सरमा ने कहा, 'बहुपत्नी प्रथा खत्म होगी, चाहे कोई भी समुदाय हो। शिकायतें सभी समुदायों से आती हैं- हिंदू हों या मियां समाज के लोग। पहली पत्नी को परेशान करने वाले ऐसे मामलों को हम बख्शेंगे नहीं।' उन्होंने स्पष्ट किया कि बहुविवाह किसी एक समूह का मुद्दा नहीं है, लेकिन कुछ समुदायों में इसकी संख्या अधिक दर्ज की गई है। सरमा ने कहा, 'यह सिर्फ मियांओं का मुद्दा नहीं है। हिंदू समाज में भी कई पुरुष दो-दो शादियां करते हैं। इसलिए कार्रवाई सब पर समान रूप से होगी।' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अवैध गतिविधियों, संदिग्ध पहचान और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई और तेज होगी। उन्होंने कहा, 'बेदखली अभियान जारी रहेगा, बहुविवाह खत्म होगा- मुझे कोई नहीं रोक सकता।' चुनावी मुद्दों पर सरमा ने कांग्रेस पर भी जमकर हमला बोला। उनका आरोप है कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में सिर्फ 22 सीटों पर निर्भर रह गई है और मियां-बहुल सीटों को 'ऑक्सीजन' की तरह उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस उम्मीदवारों से टिकट के लिए एक करोड़ रुपए अग्रिम और तीन करोड़ बाद में मांग रही है। कई सीटों- श्रीजंगराम, बाघेरिया-मंडिया, सामरिया और दलगांव के लोगों ने खुद मुझे बताया है।' सरमा ने यह भी दावा किया कि उनकी सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाएं- अरुणोदोई और महिला उद्यमिता जैसी मियां समुदाय तक बराबर पहुंच रही हैं, और समुदाय से सरकार की कोई समस्या नहीं है।' उन्होंने कहा, 'समस्या सिर्फ तब होती है जब कुछ लोग सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करते हैं।' मुख्यमंत्री के इन बयानों के बाद बहुविवाह और पहचान संबंधी मुद्दे एक बार फिर चुनावी बहस के केंद्र में आ गए हैं, जिससे असम की राजनीति में नई गर्मी महसूस की जा रही है।

चंडीगढ़ बिल पर केंद्र सरकार ने दी सफाई, कांग्रेस ने कसा तंज, कहा- पहले घोषणा, फिर सोचना

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

चंडीगढ़ से जुड़े एक संवैधानिक बिल को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। यह बिल एक दिन संसद की सूची में दिखाई दिया और अगले ही दिन सरकार ने कहा कि उसका तो इसे पेश करने का कोई इरादा ही नहीं। सरकार के इस 'यू-टर्न' ने कांग्रेस को कटाक्ष का मौका दे दिया और पार्टी ने केंद्र पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस

नेता जयराम रमेश ने कहा कि शनिवार को संसद के बुलेटिन में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2025 सूचीबद्ध था। इसका उद्देश्य था- चंडीगढ़ के लिए एक पूर्णकालिक उपराज्यपाल (एलजी) नियुक्त करने का रास्ता साफ करना। पंजाब और कांग्रेस, दोनों ही इस प्रस्ताव के खिलाफ तुरंत खड़े हो गए। रमेश बोले, 'अब गृह मंत्रालय कह रहा है कि उसे सर्दियों के सत्र में कोई बिल लाने का इरादा नहीं है। यह सरकार की वही पुरानी शैली है, पहले घोषणा, बाद में सोच।' केंद्र सरकार ने रविवार को साफ किया कि चंडीगढ़ को लेकर कोई बिल अभी सत्र में नहीं आएगा। मंत्रालय ने कहा कि, यह प्रस्ताव सिर्फ कानून बनाने की प्रक्रिया सरल करने के लिए था। चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के बीच चली आ रही परंपरागत व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं होगा। फिलहाल कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। सभी हितधारकों से बातचीत के बाद ही आगे कदम उठाया जाएगा। इस सफाई के बाद मंत्रालय ने चिंता जताने की जरूरत न होने की बात दोहराई। सूचीबद्ध बिल का मकसद था, चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 के दायरे में शामिल करना। अनुच्छेद 240 राष्ट्रपति को उन केंद्र शासित प्रदेशों के लिए विशेष कानून बनाने का अधिकार देता है, जिनकी अपनी विधानसभा नहीं होती, जैसे अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप, दादरा-नगर हवेली, दमन-दीव और कभी-कभी पुडुचेरी। चंडीगढ़ फिलहाल पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी है और उसका प्रशासन उपराज्यपाल नहीं, बल्कि पंजाब के राज्यपाल की तरफ से ही संभाला जाता है। यही 'परंपरा' पंजाब के नेताओं के लिए बेहद संवेदनशील मुद्दा है। इसीलिए बिल के दिखते ही राजनीतिक तापमान बढ़ गया।

मदनी के बयान पर सियासी टकराव, भाजपा ने बताया भ्रामक, कांग्रेस बोली- सरकार आरोपियों पर करें कार्रवाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी के बयान को सख्ती से खारिज करते हुए कहा कि भारत में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तित्व रहे हैं, जिन्हें मुस्लिम समुदाय का असली आइकॉन माना जाना चाहिए। फडणवीस

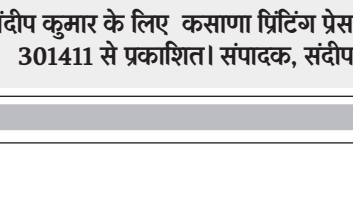

ने कहा भारत ने अब्दुल कलाम जैसे राष्ट्रपति देखे हैं, जो मुस्लिम समुदाय के लिए सच्चे प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने हमेशा सिर ऊंचा रखकर देश की सेवा की। उन्हें ही आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इससे पहले भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने भी मदनी के बयान पर नाराजगी जताई और इसे गैर-जिम्मेदाराना बताया। उन्होंने कहा कि जमीयत का आजादी की लड़ाई में बड़ा योगदान रहा है, इसलिए इस तरह के बयान की उम्मीद नहीं थी। हुसैन ने कहा भारत में एक मुस्लिम राष्ट्रपति बन सकता है, हॉकी टीम का कप्तान बन सकता है, यहां तक कि चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया भी बन सकता है। संविधान हर नागरिक को बराबर अवसर देता है। शनिवार को मदनी ने दावा किया कि भारत में मुस्लिम समुदाय के साथ भेदभाव बढ़ा है। उन्होंने आजम खान की गिरफ्तारी और अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई जैसे मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि यहां कोई मुस्लिम वाइस चांसलर नहीं बन सकता और अगर बनेगा तो जेल भेज दिया जाएगा। उन्होंने अमेरिका और ब्रिटेन में मुस्लिम नेताओं के मेयर बनने का उदाहरण देते हुए कहा कि दुनिया मुसलमानों को बेबस और खत्म हुआ समुदाय मानने लगी है, जिसे वह सही नहीं मानते। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि आतंक फैलाने वालों या कानून तोड़ने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन इसके नाम पर किसी पूरी यूनिवर्सिटी को बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने मुंबई के भाजपा नेता द्वारा पहले दिए गए बयान हम किसी खान को मेयर नहीं बनने देंगे का भी जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि आखिर फैसला जनता करेगी या पार्टी? अल्वी ने कहा कि मदनी की बात कुछ हद तक सही है, लेकिन समाधान संवाद और न्यायपूर्ण कार्रवाई से ही मिल सकता है। मदनी के बयान के बाद यह बहस एक बार फिर तेज हो गई है

सीजेआई बी.आर गवई ने कॉलेजियम प्रणाली का बचाव किया, एससी कोटा से क्रीमी लेयर को बाहर रखने का समर्थन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम प्रणाली का रविवार को पुरजोर बचाव किया, अनुसूचित जाति (एससी) कोटा से संपन्न लोगों को बाहर रखने का समर्थन किया और शीर्ष अदालत में अपने कार्यकाल के दौरान किसी भी महिला न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं करने पर खेद व्यक्त किया। अपने आधिकारिक आवास पर पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत में 52वें प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह संस्था को पूर्ण संतुष्टि और संतोष की भावना के साथ छोड़ रहे हैं तथा सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी कार्यभार स्वीकार नहीं करने का अपना संकल्प दोहराया। वह पहले बौद्ध सीजेआई होने के अलावा के. जी. बालकृष्णन के बाद भारतीय न्यायपालिका का नेतृत्व करने वाले दूसरे दलित हैं। निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश ने कहा, "मैंने पदभार ग्रहण करते समय ही स्पष्ट कर दिया था कि मैं सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी आधिकारिक कार्यभार स्वीकार नहीं करूंगा। अगले 9 से 10 दिन 'कूलिंग ऑफ' अवधि है। अनुसूचित जातियों के संपन्न लोगों को आरक्षण के लाभों से वंचित करने के लिए क्रीमी लेयर की अवधारणा लागू करने पर अपने विचारों का पुरज़ोर बचाव करते हुए उन्होंने कहा, "अगर ये लाभ बार-बार एक ही परिवार को मिलते रहेंगे, तो वर्ग के भीतर वर्ग उभर आएगा। आरक्षण उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सचमुच जरूरत है। उन्होंने सवाल किया कि अगर किसी मुख्य सचिव के बेटे या गांव में काम करने वाले भूमिहीन मजदूर के बच्चे को... किसी आईएएस या आईपीएस अधिकारी के बेटे से प्रतिस्पर्धा करनी पड़े... तो क्या यह समान स्तर पर होगा?" न्यायमूर्ति गवई ने आगाह किया कि इस तरह के कदम उठाये बिना, आरक्षण का लाभ पीढ़ी दर पीढ़ी कुछ परिवारों द्वारा हथिया लिया जाता है, जिससे वर्ग के भीतर वर्ग" का निर्माण होता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय सरकार और संसद को लेना है। कॉलेजियम प्रणाली का पुरजोर बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखने में मदद करती है। यह स्वीकार करते हुए कि कोई भी व्यवस्था पूर्णतः परिपूर्ण नहीं होती, उन्होंने कहा कि यह न्यायाधीशों के चयन के लिए बेहतर है क्योंकि वकील प्रधानमंत्री या कानून मंत्री के सामने आकर बहस नहीं करते। उन्होंने कहा कि इस बात की आलोचना होती है कि न्यायाधीश स्वयं नियुक्ति करते हैं। लेकिन इससे स्वतंत्रता सुनिश्चित होती है। हम खुफिया ब्यूरो की जानकारी और सरकार के विचारों पर भी राय जाहिर करते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय कॉलेजियम का होता है। विधेयकों पर राज्यपालों के निर्णयों से जुड़ी समय-सीमा के मुद्दे पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि संविधान न्यायालय को ऐसी समय-सीमा की व्याख्या करने की अनुमति नहीं देता जहां कोई समय-सीमा मौजूद ही न हो। लेकिन हमने कहा है कि राज्यपाल अनिश्चित काल तक विधेयक को रोक कर नहीं रख सकते। अत्यधिक विलंब होने पर न्यायिक समीक्षा का विकल्प उपलब्ध है। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण का हवाला दिया और कहा कि जबकि राज्यपाल "अंतहीन समय तक विधेयक को रोक कर नहीं रख सकते" और सीमित न्यायिक समीक्षा उपलब्ध है, न्यायपालिका संविधान में कुछ ऐसी व्याख्या नहीं कर सकती जो संविधान में नहीं है।

44 दिनों में 500 बार टूटा गाजा युद्धविराम! इस्राइल की कार्रवाई में 300 से अधिक फलस्तीनी मारे गए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तेल अवीव

अमेरिका की मध्यस्थता में लागू किए गए गाजा युद्धविराम को इस्राइल ने पिछले 44 दिनों में लगभग 500 बार तोड़ा है, जिसमें सैकड़ों फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। यह दावा गाजा सरकार के मीडिया ऑफिस ने किया है, जिसकी रिपोर्ट अल जजीरा ने प्रकाशित की। जारी बयान के मुताबिक, 342 फलस्तीनी नागरिक युद्धविराम उल्लंघनों में मारे गए, जिनमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित रहे। सिर्फ शनिवार को ही इस्राइल की ओर से 27 उल्लंघन दर्ज किए गए, जिनमें 24 लोगों की मौत और 87 से ज्यादा लोग घायल हुए।

युद्धविराम समझौते का खुला उल्लंघन

गाजा मीडिया ऑफिस ने इस्राइल की कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून और युद्धविराम समझौते का खुला उल्लंघन है। बयान में कहा गया कि इन हमलों और नाकेबंदी के चलते इस्राइल मानविक और सुरक्षा स्थिति के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इस्राइल अब भी गाजा में मानवीय सहायता और मेडिकल सप्लाई के प्रवेश पर कड़ी पाबंदी लगाए हुए है, जबकि युद्धविराम समझौते में इसकी अनुमति दी गई थी। शनिवार को इस्राइल ने गाजा के कई इलाकों पर हवाई हमले किए, जिनमें बच्चों सहित 24 फलस्तीनी मारे गए। इस्राइल ने दावा किया कि यह हमला उस समय किया गया जब एक हमास लड़ाके ने तथाकथित येलो लाइन के भीतर इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाया। इस्राइल ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई में 5 वरिष्ठ हमास लड़ाकों को मार गिराया। हालांकि, हमास ने इस्राइल के इस दावे को चुनौती देते हुए सबूत पेश करने की मांग की है। हमास नेता इज्जत अल-रिशेक ने कहा कि अमेरिका और समझौते के मध्यस्थ इस्राइल पर दबाव डालें, ताकि वह युद्धविराम समझौते का पालन करे। उधर, स्थानीय प्रशासन का कहना है कि गाजा के उत्तरी हिस्से में कई फिलिस्तीनी परिवार फंसे हुए हैं, क्योंकि इस्राइली सेना समझौते के विपरीत अपनी तैनाती और अंदर बढ़ाती जा रही है।

इंडिया गेट के पास प्रदर्शनः हिरासत में 15 प्रदर्शनकारी, पुलिसकर्मियों पर पेपर स्प्रे डालने का आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर लोगों ने इंडिया गेट के पास जमकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने 15 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। आरोप है कि प्रदर्शन कारियों को रोकने के दौरान उनलोगों ने पुलिस टीम पर पेपर स्प्रे कर दिया, जिससे तीन से चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। सभी का राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने पुलिसकर्मियों पर हमला करने वालों पर कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 4:30 बजे कुछ प्रदर्शनकारी इंडिया गेट के सी-हेक्सागन जमा हुए। वह वायु गुणवत्ता में लगातार हो रही गिरावट को लेकर विरोध जता रहे थे। कुछ देर बाद प्रदर्शन करने वाले विवादित नारेबाजी करने लगे। वहां मौजूद पुलिस टीम ने उन्हें वहां से हटने का निर्देश दिया, लेकिन उन्होंने पुलिस के निर्देश का पालन नहीं किया और नारेबाजी करते रहे। उसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शन कारियों को वहां से हटाने लगी। आरोप है कि इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस टीम पर पेपर स्प्रे का इस्तेमाल करने लगे, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई और पुलिस और प्रदर्शनकारी के बीच हल्की झड़प हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पेपर स्प्रे किए जाने से तीन से चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने आंखों में जलन की शिकायत की। उन्हें तुरंत पास के आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी पुलिसकर्मी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रदर्शन की वजह से ट्रैफिक व्यवस्था में भी काफी दिक्कत आई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 15 प्रदर्शनकारी को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने हिंसक व्यवहार और पुलिस बल पर हमला को लेकर उनके खिलाफ सख्त धाराओं में मामला दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वह अपनी शिकायत शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से रखें, ताकि सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा और व्यवस्था प्रभावित न हो। घटना के बाद इंडिया गेट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

भ्रष्टाचार और हिंसा को बंगाल से खत्म करना मेरा संकल्प, तीन साल पूरे होने पर बोले राज्यपाल बोस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने रविवार को बंगाल राज्यपाल के रूप में तीन वर्ष पूरे किए। इस दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा, भ्रष्टाचार और हिंसा के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार रक्तबीज और हिंसा नरकासुर जैसे हैं। जैसे मां काली ने रक्तबीज का वध किया था, वैसे ही हम भी भ्रष्टाचार को खत्म करेंगे। इस दौरान राजभवन में आयोजित समारोह भावनाओं और यादों से भर उठा। स्कूली छात्रों और वंचित बच्चों के साथ केक काटते हुए राज्यपाल भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि बच्चों की मुस्कान ही सेवा के तीन वर्षों की सबसे बड़ी उपलब्धि है। बच्चों के साथ उनके सहज संवाद और हंसी-मजाक ने समारोह को गर्मजोशी से भर दिया।

'भ्रष्टाचार और हिंसा को बंगाल से खत्म करना मेरा संकल्प'

राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा, राज्यपाल के रूप में यह तीन वर्ष मेरे जीवन की सबसे यादगार यात्रा रहे हैं। लोगों का स्नेह, बच्चों की मुस्कान और बंगाल की संस्कृति ने मुझे गहराई से छुआ है। 'पीपुल्स गवर्नर' कहलाना मेरे लिए सम्मान ही नहीं, एक ज़िम्मेदारी भी है। भ्रष्टाचार और हिंसा को बंगाल से खत्म करना मेरा संकल्प है। राज्य के उज्ज्वल भविष्य के लिए मैं दिलों को जोड़ने और नयी आशा जगाने का काम जारी रखूंगा।

तीन वर्ष के कार्यकाल के महत्वपूर्ण पड़ाव, यादगार क्षण और...

इस दौरान राजभवन के सेंट्रल मार्बल हॉल में राज्यपाल ने भारतीय संग्रहालय की विशेष प्रदर्शनी 'पीपुल्स गवर्नर: ब्रिजिंग हार्ट्स, बिल्डिंग बंगाल' का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में उनके तीन वर्ष के कार्यकाल के महत्वपूर्ण पड़ाव, यादगार क्षण और जनसंपर्क की कहानियों को सजीव रूप में प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का अवलोकन करते समय भी राज्यपाल कई तस्वीरों और यादों को देखते हुए भावुक दिखे। इसके बाद उन्होंने साउथ मार्बल हॉल में 'गवर्नर' ड्रीम टू कैनवस' आर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। औपचारिक उद्घाटन के रूप में राज्यपाल स्वयं कैनवस पर चित्र उकेरने बैठे। ब्रश चलाते हुए उन्होंने कहा कि 'कला दिलों को जोड़ती है, और यही बंगाल की असली ताकत है। आर्ट प्रतियोगिता पर आधारित एक विशेष सत्र भी आयोजित हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, कलाकार और अधिकारी मौजूद रहे।

डीएमके की विचारधारा, भ्रष्टाचार है, जनसभा में टीवीके प्रमुख विजय का सत्ताधारी पार्टी पर तीखा हमला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चेन्नई

तमिलागा वेत्री कषगम के संस्थापक और अभिनेता-राजनेता विजय रविवार को कांचीपुरम जिले में एक जनसभा को संबोधित किया। यह जनसभा इनडोर जगह पर हुई, जिसमें विजय ने राज्य की सत्ताधारी पार्टी डीएमके पर खुलकर निशाना साधा। इस जनसभा के साथ विजय ने अपने राजनीतिक प्रचार को फिर से शुरू किया है, जो करूर भगदड़ हादसे के बाद से बंद था। टीवीके से जुड़े लोगों ने बताया कि जनसभा को आसानी से कराने के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। टीवीके चीफ और एक्टर विजय ने जनसभा के दौरान कहा, 'मेरा इरादा सभी लोगों की बराबर सेवा करना है। हम अन्नादुरई के उसूलों की भावना से जनता से मिल रहे हैं। लेकिन आज अन्नादुरई को कौन याद करता है? डीएमके अब विचारधारा की कीमत पूछती है। वे हमसे हमारी विचारधारा के बारे में सवाल करते हैं। हमने जाति के आधार पर जनगणना की मांग की है, वक्फ एक्ट का विरोध किया है और ऐसा करने वाली पहली पार्टी के तौर पर सुप्रीम कोर्ट गए हैं, और हमने सीएए का भी कड़ा विरोध किया है। लेकिन, डीएमके की विचारधारा भ्रष्टाचार है।

जेलेंस्की बोले- बंद हो रक्तपात

ट्रंप की योजना पर चर्चा के लिए मिले यूक्रेन-पश्चिमी देशों के प्रतिनिधि

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जिनेवा

जिनेवा में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ बैठक से पहले रविवार को यूक्रेन और यूरोपीय देशों के शीर्ष प्रतिनिधियों ने आपस में बातचीत की। यह बैठक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस शांति योजना को लेकर है, जिसके जरिये रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म करने का प्रस्ताव दिया गया है। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व कर रहे राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रि यरमाक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनकी पहली बैठक ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ हुई। सहयोगी देश इस प्रस्तावित योजना में बदलाव करने के पक्ष में हैं क्योंकि वे मानते हैं कि यह योजना रूस के पक्ष में झुकी हुई है। यरमाक ने कहा कि अगली बैठक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ है और वे बहुत रचनात्मक माहौल में बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे यूक्रेन के लिए एक स्थायी और न्यायपूर्ण शांति हासिल करने की दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं।

आभार न जताने पर ट्रंप ने की यूक्रेन की आलोचना

रुबियो के बैठक में शामिल होने की उम्मीद थी, और उनके साथ अमेरिकी सेना के सचिव डैन ड्रीस्कॉल और ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ भी आने वाले थे। बैठक से पहले ट्रंप ने एक लंबी ऑनलाइन पोस्ट में अमेरिकी सैन्य मदद के लिए आभार न जताने को लेकर यूक्रेन की आलोचना की, लेकिन उन्होंने रूस के बारे में कुछ खास नहीं कहा। ट्रंप ने लिखा कि अगर अमेरिका और यूक्रेन में मजबूत नेतृत्व होता तो रूस का यूक्रेन पर आक्रमण कभी नहीं होता। ट्रंप ने यूरोपीय सहयोगियों पर भी निशाना साधा और लिखा कि यूक्रेन की नेतृत्व टीम ने हमारी कोशिशों के लिए कोई आभार नहीं दिखाया है और यूरोप अब भी रूस से तेल खरीद रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि वह बातचीत के नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी के लिए सकारात्मक परिणाम जरूरी है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनी, अमेरिकी और यूरोपीय टीमों के बीच लगातार संपर्क बना हुआ है

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा